2 जुलाई से लंबे अंतराल के बाद हैदराबाद में अपनी दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक आयोजित करने का भाजपा का निर्णय के चंद्रशेखर राव (केसीआर) के नेतृत्व वाली टीआरएस के खिलाफ तेलंगाना में एक लड़ाई की घोषणा

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 200 दिनांक:03-07-2022 रविवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

ब्रिक्स समूह में ईरान को शामिल करने की चीन की मंशा पर कई विश्व समुदाय में कई सवाल उठ रहे है। भारत पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा। भारत की इस पर कड़ी नजर है।

क्या नूपुर शर्मा का समर्थन करने पर हुई केमिस्ट उमेश कोल्हे की हत्या

अमरावती (ईएमएस) महाराष्ट्र के अमरावती शहर में 21 जून को गला रेतकर हुई केमिस्ट उमेश कोल्हे की हत्या का असली मकसद अब तक पता नहं चल सका है। उमेश कोल्हे के भाई महेश कोल्हे ने कहा है कि उनके भाई ने नूपुर शर्मा के बारे में व्हाट्सऐप पर कुछ मैसेज भेजे थे, लेकिन यह समझना मुश्किल है कि इनके कारण उनकी हत्या क्यों की गई?

महेश कोल्हे ने जाँच एजेंसी को बताया है - ''मेरे भाई ने कुछ व्हाट्सऐप ग्रुपों में नूपुर शर्मा के बारे में कुछ मैसेज भेजे थे, लेकिन हम यह नहीं समझ पा रहे हैं कि दो-चार फॉरवर्ड किए गए संदेशों के कारण उन पर जानलेवा हमला क्यों किया गया?'' उन्होंने बताया कि उनके भाई ने किसी को व्यक्तिगत मैसेज नहीं भेजे थे। यह मैसेज ग्रुपों में भेजे गए थे।

महेश कोल्हे ने कहा है कि, ''हमें अभी उस (उमेश कोल्हे) की हत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। उसने हमें कभी धमकी मिलने के बारे में नहीं बताया। उसने कुछ व्हाट्सऐप ग्रुपों में नुपुर शर्मा पर कुछ मैसेज फॉरवर्ड किए, लेकिन व्यक्तिगत रूप से किसी को नहीं भेजे।'' कोल्हे की 21 जून को गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। ऐसी आशंका है कि कोल्हे ने पैगंबर मोहम्मद पर नूपुर शर्मा के विवादित बयान के समर्थन में पोस्ट किया था। अब एनआईए उमेश कोल्हे की हत्या की साजिश की जांच करेगी और पता लगाएगी कि क्या इस हत्याकांड के पीछे कोई अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठन तो नहीं है। इससे पहले अमरावती पुलिस ने शनिवार को छठे आरोपी डॉक्टर युसूफ खान बहादुर खान को भी गिरफ्तार किया। लोकल कोर्ट ने उसे 4 जुलाई तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। डीसीपी विक्रम साली ने शनिवार को अमरावती में मीडिया से कहा कि हत्या के पीछे का मकसद नूपुर शर्मा के समर्थन में उनके (कोल्हे) द्वारा की गई गए पोस्ट पर बदला लेना था।

हत्या में खान की भूमिका के बारे में बताते हुए एक पुलिस अधिकारी ने कहा, खान ने कोल्हे के खिलाफ एक व्हाट्सएप ग्रुप में एक पोस्ट डाली थी कि कोल्हे नूपुर शर्मा का समर्थन करनी वाली पोस्ट अलग-अलग व्हाट्सएप ग्रुप में फॉरवर्ड कर रहे हैं। इससे कुछ आरोपी कोल्हे के खिलाफ भड़क गए और उन्होंने उसकी हत्या करने का फैसला किया। इसलिए पुलिस के अनुसार, खान ने अन्य आरोपियों को इस केस में हत्या के लिए उकसाने का काम किया।

उमेश कोल्हे की हत्या के मामले की जांच एनआईए ने शुरू कर दी है। इस बारे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आदेश जारी कर दिया है। इस दौरान एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया है जिसमें इस घटना में शामिल आरोपियों के दिखने का दावा किया जा रहा है। एनआईए फिलहाल इस सीसीटीवी फुटेज की भी जांच में जुटी है।

बीजेपी ने आरोप लगाया है कि यह हत्या पार्टी की निलंबित प्रवक्ता नूपुर शर्मा के बयान से जुड़ी है, क्योंकि मृतक उमेश कोल्हे ने सोशल मीडिया ग्रुप में नूपुर शर्मा के समर्थन में पोस्ट शेयर की थी। इस मामले में अभी तक छह लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। लेकिन पुलिस हत्या की स्पष्ट वजह नहीं बता पा रही है।

हालांकि पुलिस ने उमेश कोल्हे की हत्या के 12 दिन बाद इस मामले को सुलझा लेने का दावा किया था। पुलिस ने शनिवार को इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों को अदालत में पेश किया। अदालत ने दो आरोपी यूनुस खान और बहादुर खान को 6 जुलाई तक के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया, जबकि एक अन्य आरोपी राशिद को जेल भेज दिया है। इससे पहले कोर्ट ने गिरफ्तार चार आरोपियों को चार जुलाई तक के लिए पुलिस हिरासत में भेजा था।

अमरावती हत्याकांड की जांच करेगी एनआईए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दिए निर्देश

अमरावती (ईएमएस)। महाराष्ट्र के अमरावती में दुकानदार की हत्या की जांच एनआईए को सौंप दी गई है। सूत्रों के मुताबिक केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने इस मामले में निर्देश जारी कर दिए हैं। गौरतलब है कि अमरावती के दुकानदार उमेश कोल्हे की 21 जून को हत्या कर दी गई थी। बताया जाता है कि उमेश की हत्या नूपुर शर्मा के समर्थन में सोशल मीडिया पर पोस्ट डालने के विरोध में की गई है। मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक 54 साल के उमेश प्रहलादराव कोल्हे केमिस्ट की दुकान चलाते थे। उन्होंने सोशल मीडिया पर नूपुर शर्मा के समर्थन में कुछ पोस्ट किया था। दावा है कि इसको लेकर ही 21 जून को उनकी हत्या कर दी गई। मामले में महाराष्ट्र पुलिस की टीम ने छह लोगों को गिरफ्तार किया था। इन सभी लोगों से पूछताछ चल रही है। वहीं एटीएस की टीम घटना के आतंकी पहलू को लेकर भी जांच में जुटी है। एटीएस अमरावती की घटना के उदयपुर कनेक्शन के तार तलाश रही है। गौरतलब है कि उदयपुर में टेलर कन्हैयालाल की दिनदहाड़े गला रेतकर हत्या कर दी गई। हत्यारे कन्हैयालाल द्वारा नूपुर शर्मा का समर्थन किए जाने से नाराज थे। वह कपड़े की नाप देने के बहाने टेलर कन्हैयालाल की दुकान पर गए थे और धोखे से उसका गला रेतकर मौत के घाट उतार दिया। उन्होंने न सिर्फ घटना का वीडियो बनाया, बल्कि अपने कुबूलनामे का भी वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। इस मामले में भी एनआईए जांच कर रही है।

बिहार में बिना नीतीश कुमार एनडीए की कल्पना भी नहीं की जा सकती: उपेंद्र कुशवाहा

पटना (ईएमएस)। बिहार में बीजेपी की गठबंधन साथी जेडीयू के संसदीय बोर्ड अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा सीएम नीतीश कुमार को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि बिहार में बिना नीतीश कुमार के एनडीए की कल्पना भी नहीं की जा सकती। उन्होंने अंग्रेजी में कहा कि बिहार में एनडीए इज नीतीश कुमार एंड नीतीश कुमार इज एनडीए। उपेंद्र कुशवाहा ने ये बयान महाराष्ट्र की राजनीति में आए संकट को लेकर पूछे गए एक सवाल के ऊपर दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि अगर उनकी बात को लेकर किसी के मन में गलतफहमी तो वे निकाल दें। उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि जेडीयू की राजनीति ना कभी किसी की कृपा के ऊपर हुई है और ना ही आगे भी होगी। नीतीश कुमार हर फैसला लेने में पूरी तरह सक्षम हैं। बिहार में एनडीए के फैसले भी नीतीश कुमार ही लेते हैं। ऐसे में अगर किसी के मन में कोई गलतफहमी है तो दूर कर ले। बिहार में नीतीश कुमार की लीडरशिप है तो एनडीए है। नीतीश कुमार के बिना एनडीए की कल्पना नहीं की जा सकती है।

गोवा से मुंबई लौटे एकनाथ शिंदे गुट के विधायक, विधानसभा के स्पेशल सत्र में शक्ति परीक्षण करेगी नई सरकार

मुंबई: शिवसेना के बागी विधायक शनिवार की शाम को गोवा से मुंबई लौट आए हैं। रविवार को महाराष्ट्र विधानसभा का स्पेशल सेशन बुलाया गया है, जिसमें नई सरकार का शक्ति परीक्षण होगा। साथ ही विधानसभा स्पीकर का भी चुनाव कराया जाएगा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का समर्थन कर रहे शिवसेना के बागी विधायक शनिवार शाम गोवा से मुंबई लौट आए। राज्य विधानसभा का दो दिवसीय विशेष सत्र रविवार से शुरू होगा और इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष के चुनाव के साथ सदन में नई सरकार का शक्ति परीक्षण होगा। सूत्रों ने बताया कि मुंबई पहुंचे बागी विधायक एक होटल में ठहरेंगे और रविवार को विशेष सत्र में हिस्सा लेंगे।

इस बीच, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख शरद पवार ने दावा किया कि विधानसभा उपाध्यक्ष नरहरि जिरवाल के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लंबित रहने के बावजूद भी वह फिलहाल पदेन स्पीकर के तौर पर अपना कर्तव्य निभा सकते हैं। विधानसभा अध्यक्ष का पद पिछले साल से रिक्त है। पवार ने पुणे में संवाददाताओं से कहा कि शिवसेना का कौन सा गुट पार्टी का 'वास्तविक' दावेदार होगा, इस पर फैसले के लिए एक लंबी कानूनी लड़ाई लड़नी होगी।

इससे पहले दिन में, शिवसेना विधायक एवं पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे के करीबी राजन साल्वी ने महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष पद के लिए महा विकास आघाड़ी (एमवीए) के उम्मीदवार के रूप में शनिवार को अपना नामांकन दाखिल किया। पहली बार विधायक बने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता राहुल नार्वेकर ने इस पद के लिए शुक्रवार को नामांकन दाखिल किया था। चार जुलाई को सदन में नयी सरकार का बहुमत परीक्षण होगा।

शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) और कांग्रेस राज्य में एमवीए गठबंधन का हिस्सा हैं। शिंदे की बगावत के कारण इन तीनों दलों की सरकार बुधवार को गिर गई थी। इसके अगले ही दिन शिंदे ने मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण किया था। भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस उपमुख्यमंत्री बने हैं। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना के बागी विधायकों और निर्दलीय विधायकों का एक समूह शनिवार शाम एक विशेष विमान से गोवा से मुंबई के लिए रवाना हुआ था। डोना पाउला के एक होटल में गत 29 जून से डेरा डाले विधायक शिंदे के नेतृत्व में दो बसों में सवार होकर डाबोलिम हवाई अड्डे के लिए रवाना हुए थे। महाराष्ट्र में राजनीतिक संकट के बीच बागी विधायक 29 जून को शिंदे के साथ गुवाहाटी से गोवा पहुंचे थे।

मिशन तेंलगाना पर भाजपा, 6 माह में तीसरी बार केसीआर पीएम मोदी की अगवानी करने नहीं पहुंचेंगे

हैदराबाद (ईएमएस)। हैदराबाद हवाईअड्डे से राजधानी के बीचों-बीच का सफर यह नए आने वाले को भी बताएगा कि यहां राजनीतिक युद्ध चल रहा है और भाजपा का अगला निशाना तेलंगाना है। 2 जुलाई से लंबे अंतराल के बाद हैदराबाद में अपनी दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक आयोजित करने का भाजपा का निर्णय के चंद्रशेखर राव (केसीआर) के नेतृत्व वाली टीआरएस के खिलाफ तेलंगाना में एक लड़ाई की घोषणा है। इसका असर पीएम मोदी की आगवनी में दिखेगा। केसीआर शनिवार को फिर प्रोटोकॉल तोड़ने वाले हैं।

इस सियासी युद्ध की तैयारियों के स्पष्ट संकेत हैं। हैदराबाद की सड़कों पर होर्डिंग्स लगे हैं, जो प्रतिस्पर्धी राजनीतिक दावों को आगे बढ़ा रहे हैं। भाजपा ने एक सूरजमुखी पर पंखुड़ी की तरह परिधि पर भगवा झंडे के साथ विशाल गोलाकार होर्डिंग लगाए हैं। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा हैं। होर्डिंग्स को रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सड़कों के किनारे और मेट्रो के खंभों के पास लगाया गया है, ताकि वे किसी की नजरों से छूट न जाएं। इसके बाद भी भगवा पार्टी की शिकायत है कि ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) की सीमा में विज्ञापन के लिए प्रयाप्त जगह नहीं मिले हैं। टीआरएस हमले का मुकाबला दुश्मनी से कर रही है। पीएम मोदी पर हमला करने वाले कई होर्डिंग हैं, जो दो दिवसीय बैठक के लिए शहर में लगाए गए हैं। उन्हें रणनीतिक रूप से उस मार्ग पर रखा गया है जहां से पीएम कार्यक्रम स्थल पर जाएंगे और हवाईअड्डे पर लौटना हैं। नोटबंदी से लेकर तीन कृषि बिलों और बेरोजगारी के खिलाफ किसानों के संघर्ष के अलग-अलग विषयों पर पीएम मोदी पर हमला किया गया है।

बैठक से एक दिन पहले पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रोड शो किया। रोड शो के लिए हवाई अड्डे से बाहर निकलते समय नड्डा ने कहा, ठहमारे नेता 119 विधानसभा क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं और मतदाताओं का आकलन कर रहे हैं और उन्हें लामबंद कर रहे हैंठ बैठक से तीन दिन पहले पार्टी के 119 नेताओं को विस्तृत विवरण के साथ 119 विधानसभा क्षेत्रों में भेजा गया था। एक वरिष्ठ नेता जो दक्षिणी तेलंगाना विधानसभा सीट पर थे ने कहा, हमने वहां 49 उपयोगी घंटे बिताए। पार्टी की सांगठनिक तैयारियों का आकलन और कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की दो दिवसीय बैठक में भाग लेने के लिए हैदराबाद आ रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव हवाई अड्डे पर अगवानी नहीं करने वाले हैं, हालांकि, पीएम मोदी के उसी हवाई अड्डे पर उतरने से कुछ घंटे पहले केसीआर बेगमपेट हवाई अड्डे पर विपक्ष के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा की अगवानी करने पहुंचे। केसीआर ने 18 जुलाई को होने वाले आगामी राष्ट्रपति चुनाव में सिन्हा को समर्थन देने की घोषणा की है।शनिवार को प्रधानमंत्री के आगमन के दौरान उनके स्वागत के लिए केवल एक टीआरएस मंत्री हवाई अड्डे पर मौजूद रहने वाले हैं। बता दें कि छह महीने में यह तीसरी बार है जब सीएम केसीआर प्रधानमंत्री की अगवानी करने के प्रोटोकॉल को छोड़ रहे हैं। इससे पहले जब पीएम मोदी इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी) के 20 वें वार्षिक समारोह में भाग लेने के लिए तेलंगाना का दौरा किया तो उस समय भी केसीआर नहीं पहुंचे थे। फरवरी में भी केसीआर प्रधानमंत्री की हैदराबाद यात्रा के दौरान अनुपस्थित रहे थे।

केसीआर की भाजपा को चुनौती, मेरी सरकार गिराकर दिखाये, मैं केंद्र में आपकी सरकार गिरा दूंगा

हैदराबाद (ईएमएस)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने भाजप को चुनौती देकर कहा कि वह राज्य में अपनी सरकार गिराने के लिए भाजपा का इंतजार करुंगा। मुख्यमंत्री ने कहा, मैं उस दिन का इंतजार कर रहा हूं। मैं आजाद हो जाऊंगा और फिर केंद्र में आपकी सरकार गिरा दूंगा। केसीआर ने कहा कि तेलंगाना में बैठे केंद्रीय मंत्री अब दावा कर रहे हैं कि महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी सरकार गिरने के बाद तेलंगाना में टीआरएस सरकार के गिरने का समय आ गया है। केसीआर ने कहा, ठदेश में जो कुछ भी हो रहा है वह गलत है। इसके बाद हमें चुप नहीं रहना चाहिए। हमें बदलाव की जरूरत है, लेकिन बदलाव के नाम पर कुछ भी नहीं। हमें भारतीय राजनीति में गुणात्मक बदलाव लाने की जरूरत हैठ

दरअसल केसीआर और उनके मंत्री यशवंत सिन्हा की अगवानी करने के लिए हवाई अड्डे पर गए थे। सिन्हा की अगवानी करने जा रहे केसीआर ने पहले ही यह कहकर हलचल मचा दी कि वह पीएम मोदी की अगवानी नहीं करने वाले हैं। केसीआर ने कहा, पीएम मोदी शनिवार को हैदराबाद आ रहे हैं। वह हमारे खिलाफ बोले, हम पर गलत आरोप लगाएंगे। लेकिन लोकतंत्र में यही होना चाहिए। हमारे सवालों का भी जवाब दें। शनिवार को प्रधानमंत्री के आगमन के दौरान उनके स्वागत के लिए केवल एक टीआरएस मंत्री हवाई अड्डे पर मौजूद रहेगा। बता दें कि छह महीने में यह तीसरी बार है जब सीएम केसीआर प्रधानमंत्री की अगवानी करने के प्रोटोकॉल को छोड़ रहे हैं। इससे पहले जब पीएम मोदी इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी) के 20वें वार्षिक समारोह में भाग लेने के लिए तेलंगाना का दौरा किया तब उस समय भी केसीआर नहीं पहुंचे थे। फरवरी में भी केसीआर प्रधानमंत्री की हैदराबाद यात्रा के दौरान अनुपस्थित रहे थे।

कोलकाता पुलिस ने नूपुर शर्मा के लिए लुकआउट नोटिस जारी किया

कोलकाता (ईएमएस) कोलकाता पुलिस ने बीजेपी की निलंबित प्रवक्ता नूपुर शर्मा के लिए लुकआउट नोटिस जारी किया है। पैगंबर मोहम्मद पर कथित विवादास्पद टिप्पणी के मामले में आरोपी नूपुर शर्मा लगातार चौथी बार पेश नहीं हुईं। नूपुर शर्मा के कमेंट को लेकर पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में व्यापक हिंसा हुई थी।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को कहा कि वह एमहर्स्ट स्ट्रीट और नारकेलडांगा पुलिस थानों के अधिकारियों की ओर से जारी समन पर उपस्थित नहीं हुईं। पुलिस अधिकारी ने कहा, ठकई बार तलब किए जाने के बावजूद हमारे अधिकारियों के सामने पेश नहीं होने के बाद आज लुकआउट नोटिस जारी किया गया हैठ उन्होंने कहा कि दोनों थानों में से प्रत्येक ने उन्हें दो बार तलब किया था।

पुलिस अधिकारी ने कहा कि एमहर्स्ट स्ट्रीट और नारकेलडांगा पुलिस थानों ने पिछले महीने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद उन्हें अलग-अलग तलब किया था।

नूपुर शर्मा ने कोलकाता जाने पर उन पर हमला होने की आशंका का हवाला दिया था और पुलिस अधिकारियों के सामने पेश होने के लिए चार सप्ताह का समय मांगा था।

कांग्रेस का दावा कन्हैया लाल की हत्या के मुख्य आरोपी रियाज अहमद भाजपा सक्रिय कार्यकर्ता

पूर्व गृहमंत्री कटारिया के कई कार्यक्रमों में शामिल हुआ

नई दिल्ली (ईएमएस)। राजस्थान के उदयपुर में दर्जी कन्हैया लाल की दो मुस्लिम युवकों द्वारा की गई हत्या के मामले में नया ट्विस्ट सामने आया है। सोशल मीडिया पर बीते कुछ घंटों से कुछ तस्वीरें शेयर हो रही थीं, अब कांग्रेस ने सीधे तौर पर कन्हैया लाल की हत्या के मुख्य आरोपी रियाज अटारी का कनेक्शन भाजपा के नेताओं से जोड़ दिया है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने दावा किया कि रियाज अटारी राजस्थान में भाजपा के कद्दावर नेता और पूर्व गृह मंत्री गुलाब चंद्र कटारिया के कई कार्यक्रमों में शामिल हुआ था। उन्होंने कहा कि रिसर्च करने पर पता चला कि फेसबुक पर भाजपा के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के नेता इरशाद चैनवाला ने 30 नवंबर 2018 को पोस्ट किया था और रियाज को पार्टी का कार्यकर्ता बताया था।

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि इरशाद ही नहीं, एक और भाजपा नेता मोहम्मद ताहिर हैं, जिनका मोबाइल अब बंद आ रहा है। ताहिर के 3 फरवरी 2018, 27 अक्टूबर 2019 और 10 अगस्त 2021, 28 अगस्त 2019 के पोस्ट की स्टडी की गई। भाजपा नेता मोहम्मद ताहिर का एक फेसबुक पोस्ट पढ़कर खेड़ा ने कहा, 'ये हमारे बीजेपी कार्यकर्ता उदयपुर, राजस्थान के रियाज अटारी भाईजान ने हमारे वतन हिंदुस्तान में अमन के लिए दुआएं कर...अल्लाह हमारे हिंद को सलामत रखे। आमीन।'

खेड़ा ने कहा कि ताहिर कह रहे हैं, अटारी के लिए कि वह उमरा करने के लिए गए और देश के लिए दुआ मांगी। भाजपा का कार्यकर्ता रियाज अटारी पूर्व गृह मंत्री के कार्यक्रमों में शामिल होता है। भाजपा के स्थानीय नेता 'रियाज भाई हमारे भाजपा कार्यकर्ता' कहकर संबोधित करते हैं। इतना ही नहीं कांग्रेस प्रवक्ता यहीं तक नहीं रुके। उन्होंने कहा, 'ये चल क्या रहा इस देश में... माजरा क्या है। पुलवामा में सवाल उठे थे कि साढ़े तीन सौ किलो आरडीएक्स कैसे पहुंचा। डीएसपी दविंदर सिंह का नाम हम सब जानते हैं। उसे चुपचाप नौकरी से बाहर कर दिया कि राष्ट्रहित में नहीं है, उसके खिलाफ जांच करना... ये क्या हो रहा है इस देश में। कौन करवा रहा है ये सब। एक के बाद एक हमले, घटनाएं हो रही हैं कोई उत्तर नहीं। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री चुप हैं।'

चीफ जस्टिस रमना ने सत्ताधारी और विपक्षी दलों पर कस तंज, न्यायपालिका केवल संविधान के प्रति जवाबदेह

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के चीफ जस्टिस एम वी रमना ने न्यायपालिका और विधायिका पर बड़ी टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ दलों का मानना है कि सरकारी कार्रवाई न्यायिक समर्थन के हकदार हैं, वहीं विपक्षी दल उम्मीद करते हैं कि यह उनके कारण का समर्थन करेगा। लेकिन यह समझना जरूरी है कि न्यायपालिका केवल संविधान के प्रति जवाबदेह है। रमना ने कहा कि देश ने अभी भी संविधान द्वारा प्रत्येक संस्थान को सौंपी गई भूमिकाओं की पूरी तरह से सराहना करना नहीं सीखा है।

एक कार्यक्रम में सीजेआई ने कहा, जैसा कि हम इस वर्ष स्वतंत्रता के 75वें वर्ष का जश्न मना रहे हैं, जब हमारा गणतंत्र 72 वर्ष का हो गया है, तब कुछ अफसोस के साथ, मुझे यहां यह जोड़ना चाहिए कि हमने अभी भी संविधान द्वारा प्रत्येक संस्थान को सौंपी गई भूमिकाओं और जिम्मेदारियों की पूरी तरह से सराहना करना नहीं सीखा है। सत्ताधारी पार्टी का मानना है कि हर सरकारी कार्रवाई न्यायिक समर्थन की हकदार है। विपक्षी दलों को उम्मीद है कि न्यायपालिका अपने राजनीतिक पदों और कारणों को आगे बढ़ाएगी। जबकि न्यायपालिका केवल संविधान के प्रति जवाबदेह हैठ

सीजेआई ने कहा, यह आम जनता के बीच बड़ी अज्ञानता है, जो ऐसी ताकतों की सहायता कर ही, जिनका एकमात्र उद्देश्य न्यायपालिका को खत्म करना है। मैं इसे स्पष्ट कर दूं, हम केवल और केवल संविधान के प्रति जवाबदेह हैं। उन्होंने कहा कि ठसंविधान में परिकल्पित नियंत्रण और संतुलन को लागू करने के लिए हमें भारत में संवैधानिक संस्कृति को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। हमें व्यक्तियों और संस्थानों की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के बारे में जागरूकता फैलाने की जरूरत है। लोकतंत्र सभी की भागीदारी के बारे में हैठ।

संयुक्त राज्य अमेरिका का उदाहरण देकर सीजेआई ने ठभारत सहित दुनिया में हर जगहठ समावेशिता को सम्मानित करने की आवश्यकता पर जोर दिया और आगाह किया कि ठएक गैर-समावेशी दृष्टिकोण आपदा के लिए एक निमंत्रण हैठ। भारतीय समुदाय की उपलब्धियों की सराहना कर सीजेआई ने कहा, यह अमेरिकी समाज की सहनशीलता और समावेशी प्रकृति है, जो दुनिया भर से सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को आकर्षित करने में सक्षम है, जो बदले में इसके विकास में योगदान दे रही है। व्यवस्था में समाज के सभी वर्गों के विश्वास को बनाए रखने के लिए विविध पृष्ठभूमि से योग्य प्रतिभाओं को सम्मानित करना भी आवश्यक है।

सीजेआई ने कहा कि दीर्घकालिक विकास के लिए बनी इस तरह की नींव को कभी भी बाधित नहीं किया जाना चाहिए। पूरी दुनिया में सरकार बदलने के साथ नीतियां बदलती हैं। लेकिन कोई भी समझदार, परिपक्व और देशभक्त सरकार नीतियों में इस तरह से बदलाव नहीं करेगी जो उसके अपने क्षेत्र के विकास को धीमा या रोक दे। उन्होंने खेद व्यक्त किया कि दुर्भाग्य से, जब भी सरकार में कोई परिवर्तन होता है, हम भारत में ऐसी संवेदनशीलता और परिपक्वता को अक्सर नहीं देखते हैंठ।

सोने पर आयात शुल्क बढ़ने से तस्करी को मिलेगा प्रोत्साहन, समीक्षा करे सरकार: उद्योग संगठन

नई दिल्ली (ईएमएस)। आभूषण और उद्योग विशेषज्ञों ने कहा कि सोने पर आयात शुल्क बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने से तस्करी को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने सरकार से सोने पर शुल्क दर की समीक्षा करने का आग्रह किया। सोने के बढ़ते आयात और चालू खाते के घाटे (सीएडी) पर अंकुश लगाने के लिए केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने पीली धातु पर आयात शुल्क को 10.75 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया। यह फैसला तीस जून से प्रभावी है। अखिल भारतीय रत्न एवं आभूषण घरेलू परिषद (जीजेसी) के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने कहा ?कि सोने के आयात शुल्क में अचानक बढ़ोतरी ने हमें आश्चर्यचकित कर दिया है। हम भारतीय डॉलर के मुकाबले रुपए के संबंध में सरकार की स्थिति को समझते हैं लेकिन यह बढ़ोतरी पूरे उद्योग को प्रभावित करेगा और इससे तस्करी को प्रोत्साहन मिल सकता है। उन्होंने कहा कि जीजेसी घरेलू उद्योग के पक्ष में स्थिति को सुलझाने के लिए सरकार के साथ बातचीत करेगी। विश्व स्वर्ण परिषद ने कहा कि भारत में सोने की मांग ज्यादातर आयात के माध्यम से पूरी की जाती है, इस कारण कई बार भारतीय रुपए की विनिमय दर में गिरावट से कुछ समस्या बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि उच्च मुद्रास्फीति और बढ़ते व्यापार असंतुलन के बीच रुप, की विनिमय दर इस सप्ताह की शुरुआत में रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गई है। सोने पर आयात शुल्क में वृद्धि का उद्देश्य सोने के आयात को कम करना और रुपये पर वृहद आर्थिक दबाव को कम करना है। हालांकि, सोने पर कुल कर अब 14 प्रतिशत से बढ़कर 18.45 प्रतिशत हो गया है और अगर यह कदम रणनीतिक या अस्थायी नहीं है तो इसके कारण सोने के बाजार पर दीर्घकालिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा और इससे कालाबाजारी बढ़ेगी।

कार्टून कोना

6.1 तीव्रता के भूकंप से कांपी ईरान की धरती, 5 मरे, 44 घायल, चीन तक दिखा झटकों का असर

तेहरान (ईएमएस)। ईरान में शनिवार को 6.1 तीव्रता के भूकंप से यहां की धरती हिल गई। भूकंप इतना तेज था कि इसके झटके कतर, यूएई और चीन तक महसूस किए गए। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार ये 6.0 तीव्रता का जलजला था। ईरान के सरकारी टीवी के हवाले से एएफपी ने बताया कि भूकंप की वजह से कम से कम 5 लोगों की मौत हो गई है और 44 घायल हुए हैं। ये भूकंप रात 1.32 बजे आया। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, इस भूकंप का केंद्र होर्मोज़गन प्रांत के बंदरगाह शहर बंदर अब्बास के दक्षिण-पश्चिम में 100 किलोमीटर दूर और जमीन के 10 किलोमीटर नीचे था। एएफपी के मुताबिक, इस बड़े भूकंप के कुछ मिनट पहले 5.7 तीव्रता का एक और झटका लगा था। बाद में भी कम के कम 7 झटके महसूस किए गए।

भूकंप के केंद्र के नजदीक सायेह खोश गांव में राहत और बचाव का कार्य चलाया जा रहा है। इस गांव में करीब 300 लोग रहते हैं। बताया गया कि इस भूकंप की वजह के कई इमारतों को नुकसान पहुंचा है। लोग डर की वजह से सड़कों पर निकल आए। भूकंपों के लिहाज से ईरान को काफी सक्रिय माना जाता है। यहां रोजाना लगभग एक भूकंप आता है। ईरान के होर्मोज़गन प्रांत में पिछले साल नवंबर में 6.4 और 6.3 तीव्रता के दो भूकंप लगातार आए थे, जिसमें एक व्यक्ति की मौत की बात बताई गई थी। ईरान का सबसे घातक भूकंप 1990 में आया था, जिसकी तीव्रता 7.4 मापी गई थी। देश के उत्तरी इलाके में आए इस जलजले में करीब 40,000 लोग मारे गए थे। 2003 में 6.6 तीव्रता के भूकंप ने ऐतिहासिक महत्व के बाम शहर को तबाह कर दिया था, तब 26 हजार लोगों की मौत हुई थी। 2017 में पश्चिमी ईरान में 7 पॉइंट तीव्रता के भूकंप ने 600 लोगों की जान ले ली थी।

मणिपुर के नोनी जिले में रेलवे निर्माण स्थल पर भूस्खलन में मरने वालों की संख्या 29 पहुची

गुवाहाटी (ईएमएस) मणिपुर के नोनी जिले में एक रेलवे निर्माण स्थल पर भूस्खलन में मरने वालों की संख्या 29 हो गई है। मृतकों में मजदूरों सहित 9 नागरिक शामिल हैं। इस हादसे में शामिल मृतकों में 20 प्रादेशिक सेना के जवान हैं। जानकारी के आनुसार इस हादसे में दो सुरक्षाकर्मियों सहित असम के आठ लोगों की भी मौत हो गई है। जिसके बाद असम के कैबिनेट मंत्री पीयूष हजारिका ने कहा कि शवों को हवाई मार्ग से असम ले जाया जाएगा और असम सरकार इसके लिए सभी आवश्यक इंतजाम करेगी। उन्होंने कहा कि घायलों को भी वापस असम ले जाने के लिए परिवहन की व्यवस्था की जाएगी।

जानकारी के अनुसार मणिपुर के नोनी जिले में हुए इस हादसे में 34 लोग अब भी लापता है और अब तक यहां अब तक 18 लोगों को जिंदा बरामद किया जा चुका है। शनिवार सुबह टुपुल पहुंचे हजारिका ने कहा, '' यह एक अत्यंत दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। राहत एवं बचाव अभियान जोरों पर है।'' मंत्री ने कहा कि घटनास्थल का दौरा करने के बाद वह असम से संबंध रखने वाले घायलों से अस्पताल में मुलाकात करेंगे। इस बीच, मोरीगांव के उपायुक्त पी। आर। घरफालिया ने बताया कि जिले के चार लोगों के शव शुक्रवार को बरामद किए गए और उनकी पहचान की गई, जबकि एक की पहचान एक दिन पहले की गई थी। उन्होंने कहा, ''अब तक मोरीगांव के पांच लोगों के भूस्खलन में मारे जाने की पुष्टि हो चुकी है। इस जिले से उसी जगह पर काम कर रहे कई अन्य लोग अब भी लापता हैं।''

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शुक्रवार को मोरीगांव जिले के 22 नामों की एक सूची साझा की थी जो रेलवे निर्माण स्थल पर लगे थे। इनमें से पांच को बचा लिया गया, पांच की मौत की पुष्टि हो गई है और 12 अन्य का पता लगाया जाना बाकी है। भूस्खलन में मारे गए बजली जिले के रहने वाले सेना के जवान के पार्थिव शरीर को मणिपुर से विशेष विमान से राज्य लाया गया और उसके गांव ले जाया गया, जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया। हजारिका ने ट्वीट किया, ''मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा के निर्देश पर मैंने मणिपुर के टुपुल में क्षेत्रीय सैन्य शिविर का दौरा कि

जन हितैषी

सावधानी की गुहार

देश में कोरोना संक्रमण खतरनाक होता जा रहा है। पिछले कुछ दिनों से दैनिक मामलों में तेजी से इजाफा हुआ है। हर दिन 10 हजार से ऊपर मामले सामने आ रहे हैं। देश में सक्रिय कोरोना मरीजों की संख्या में भी तेजी से इजाफा हो रहा है। देश में अब सक्रिय मरीजों की संख्या एक लाख के करीब पहुंच गई है। आज जारी हुए आंकड़ों के मुताबिक, 96,700 कोरोना मरीज उपचाराधीन हैं। अगर कोरोना की दैनिक या फिर साप्ताहिक संक्रमण दर पांच फीसदी या फिर उससे अधिक होती है तो यह स्थिति चिंताजनक मानी जाती है। सोमवार को दैनिक

सकारात्मकता दर 5.62 प्रतिशत दर्ज की गई थी, जबकि साप्ताहिक सकारात्मकता दर 3.39 प्रतिशत दर्ज की गई। कोरोना वायरस के संक्रमण से उपजा संकट कितना गंभीर है, इसका पता उससे लड़ने के लिए नित-नए उपायों की घोषणा के साथ हो रहा है। यह आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य है कि सभी लोग इस संदेश को सही तरह समझें और एक जिम्मेदार नागरिक के तौर पर अपेक्षित दायित्वों का निर्वहन गंभीरता से करें। कोरोना वायरस से उपजी कोविड-19 नामक बीमारी वास्तव में एक ऐसी महामारी है, जिससे लड़ाई में हर किसी का सहयोग आवश्यक है। यह न तो आसान लड़ाई है और न ही इसे केवल सरकार के भरोसे रहकर जीता जा सकता है। यह भूल भी नहीं की जानी चाहिए कि केवल बड़े शहरों के लोगों को ही सावधान रहने की जरूरत है। इस संकट से बचने में तो देश के हर एक नागरिक का योगदान चाहिए- चाहे वह शहरी हो या ग्रामीण। वास्तव में देश के भीतर कोरोना वायरस के संक्रमण को थामना एक ऐसा राष्ट्रीय यज्ञ बनना चाहिए, जिसमें हर एक को अपने नागरिक दायित्व की आहुति डालनी ही है। चूंकि अब यह किसी से छिपा नहीं कि किसी एक व्यक्ति की लापरवाही पूरे समुदाय पर भारी पड़ सकती है, इसलिए हर किसी को यह सुनिश्चित करना होगा कि वह खुद तो सतर्क रहे ही, दूसरे लोग भी पर्याप्त सतर्कता बरतें। यह पूरी सावधानी से कमर कसने का समय है। कोरोना फिर कहर ढाने को तैयार लगता है और प्रतिदिन मामलों की संख्या पांच अंकों में लौट आई है। कोविड-19 के मामलों और संक्रमण दर के आधार पर कई राज्यों में चिंता बहुत बढ़ गई है। भले ही लगभग 90 प्रतिशत वयस्क आबादी को दोनों खुराक लग चुकी है, मगर कोरोना का फिर से उभार सावधानी की गुहार लगा रहा है। कोरोना मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए

यह आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य है कि संक्रमण फैलने के कारणों का पता लगाकर उनका निवारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। यह ठीक है कि भारत में कोरोना वायरस की चपेट में आए लोगों की मृत्यु दर कम है, लेकिन मौत का शिकार बने लोगों की संख्या इतनी भी कम नहीं कि लोग अपेक्षित सावधानी का परिचय देने से इन्कार करें। चिंता की बात यह है कि कोरोना वायरस के संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए आम लोगों को जैसी सावधानी का परिचय देना चाहिए वह नहीं दिया जा रहा है। मास्क का नियमित इस्तेमाल, साफ-सफाई और सेहत के प्रति सतर्कता ही कोरोना संक्रमण से बचे रहने का एकमात्र उपाय है, लेकिन इसके बावजूद यही देखने को मिल रहा है कि लोग लापरवाही बरत रहे हैं। हद तो यह है कि जिन शहरों और इलाकों में कोरोना मरीजों की अच्छी-खासी संख्या है, वहां भी तमाम ऐसे लोग दिख जा रहे हैं जो ढंग से मास्क नहीं लगाते। यह खुद के साथ औरों को खतरे में डालने वाला काम ही है।

शायद इसी स्थिति को देखकर प्रधानमंत्री को यह कहना पड़ा कि कोरोना के खिलाफ जागरूकता बढ़ाए जाने की जरूरत है। निःसंदेह यह जागरूकता तभी बढ़ेगी जब जिला प्रशासन लापरवाह लोगों के खिलाफ सख्ती बरतेंगे। ऐसा लगता है कि तमाम लोगों ने यह मान लिया है कि लॉकडाउन से बाहर निकलने के कदम उठाने का यह मतलब है कि सब कुछ पहले जैसे हो गया है। ऐसा बिल्कुल भी नहीं है और इसका प्रमाण कोरोना मरीजों की तेजी से बढ़ती संख्या के साथ इससे भी मिल रहा है कि कई राज्य सरकारों को लॉकडाउन नए सिरे से लागू करना पड़ रहा है।

लॉकडाउन की यह वापसी गंभीर स्थिति की सूचक है। देश के विभिन्न हिस्सों में लॉकडाउन की वापसी कारोबारी गतिविधियों को गति देने की कोशिशों पर पानी फेरने वाली ही है। बेहतर हो कि राज्य सरकारें और विशेषकर उनके जिला प्रशासन यह समझें कि कारोबारी गतिविधियों को बल देने का यह मतलब नहीं कि सार्वजनिक स्थलों में फिजिकल डिस्टेंसिंग की जरूरत नहीं रह गई है।

भारत प्लास्टिक मुक्त कैसे हो?

प्लास्टिक पर 1 जुलाई से सरकार ने प्रतिबंध तो लागू कर दिया है लेकिन उसका असर कितना है? फिलहाल तो वह नाम मात्र का ही है। वह भी इसके बावजूद कि 19 तरह की प्लास्टिक की चीजों में से यदि किसी के पास एक भी पकड़ी गई तो उस पर एक लाख रु. का जुर्माना और पांच साल की सजा हो सकती है। इतनी सख्त धमकी का कोई ठोस असर दिल्ली के बाजारों में कहीं दिखाई नहीं पड़ा है। अब भी छोटे-मोटे दुकानदार प्लास्टिक की थैलियां, गिलास, चम्मच, काड़िया, तश्तरियां आदि हमेशा की तरह बेच रहे हैं। ये सब चीजें खुले-आम खरीदी जा रही हैं। इसका कारण क्या है? यही है कि लोगों को अभी तक पता ही नहीं है कि प्रतिबंध की घोषणा हो चुकी है। सारे नेता लोग अपने राजनीतिक विज्ञापनों पर करोड़ों रुपया रोज खर्च करते हैं। सारे अखबार और टीवी चैनल हमारे इन जन-सेवकों को महानायक बनाकर पेश करने में संकोच नहीं करते लेकिन प्लास्टिक जैसी जानलेवा चीज़ पर प्रतिबंध का प्रचार उन्हें महत्वपूर्ण ही नहीं लगता। नेताओं ने कानून बनाया, यह तो बहुत अच्छा किया लेकिन ऐसे सैकड़ों कानून ताक पर रखे रह जाते हैं। उन कानूनों की उपयोगिता का भली-भांति प्रचार करने की जिम्मेदारी जितनी सरकार की है, उससे ज्यादा हमारे राजनीतिक दलों और समाजसेवी संगठनों की है। हमारे साधु-संत, मौलाना, पादरी वगैरह भी यदि मुखर हो जाएं तो करोड़ों लोग उनकी बात को कानून से भी ज्यादा मानेंगे। प्लास्टिक का इस्तेमाल एक ऐसा अपराध है, जिसे हम 'सामूहिक हत्या' की संज्ञा दे सकते हैं। इसे रोकना आज कठिन जरूर है लेकिन असंभव नहीं है। सरकार को चाहिए था कि इस प्रतिबंध का प्रचार वह जमकर करती और प्रतिबंध-दिवस के दो-तीन माह पहले से ही 19 प्रकार के प्रतिबंधित प्लास्टिक बनानेवाले कारखानों को बंद करवा देती। उन्हें कुछ विकल्प भी सुझाती ताकि बेकारी नहीं फैलती। ऐसा नहीं है कि लोग प्लास्टिक के बिना नहीं रह पाएंगे। अब से 70-75 साल पहले तक प्लास्टिक की जगह कागज, पत्ते, कपड़े, लकड़ी और मिट्टी के बने सामान सभी लोग इस्तेमाल करते थे। पत्तों और कागजी चीज़ों के अलावा सभी चीजों का इस्तेमाल बार-बार और लंबे समय तक किया जा सकता है। ये चीजें सस्ती और सुलभ होती हैं और स्वास्थ्य पर इनका उल्टा असर भी नहीं पड़ता है। लेकिन स्वतंत्र भारत में चलनेवाली पश्चिम की अंधी नकल को अब रोकना बहुत जरुरी है। भारत चाहे तो अपने बृहद अभियान के जरिए सारे विश्व को रास्ता दिखा सकता है।

(लेखक - डॉ. वेदप्रताप वैदिक/ईएमएस)

दैनिक पंचांग

03 जुलाई 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.22 बजे से
चंद्र	सिंह में	सिंह	08.38 बजे से
मंगल	मेष में	कन्या	10.50 बजे से
बुध	वृष में	तुला	13.00 बजे से
गुरु	मीन में	वृश्चिक	15.15 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	17.31 बजे से
शनि	कुंभ में	मकर	19.36 बजे से
राहु	मेष में	कुंभ	21.23 बजे से
केतु	तुला में	मीन	22.56 बजे से
राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक		मेष	00.26 बजे से
		वृष	02.06 बजे से
		मिथुन	04.04 बजे से

रविवार 2022 वर्ष का 184 वां दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2079
शक संवत् 1944
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि चतुर्थी 17.07 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आश्लेषा 06.30 बजे को समाप्त।
योग वज्र 12.06 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 17.07 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 03.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 59'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871298
जूलियन दिन 2459763.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना जिल्हेज
तारीख 03
विशेष विनायकी चतुर्थी व्रत।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56	से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36	से	07.09 बजे तक
चर	07.23	से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09	से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51	से	10.18 बजे तक	चर	08.41	से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18	से	11.46 बजे तक	रोग	10.14	से	11.46 बजे तक
काल	11.46	से	01.14 बजे तक	काल	11.46	से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14	से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19	से	02.51 बजे तक
रोग	02.41	से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51	से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09	से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24	से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

किताबें पढ़ने की आदत डालें

(वर्त्तमान की आवश्यकता)

ठपुस्तक ज्ञान पुंज होती हैं जिसके पढ़ने से अज्ञान दूर होता हैंठवर्त्तमान में इंटरनेट और गूगल के कारण जानकारियां सुलभ होती जा रही हैं ,पर जो सुख किताबों को पढ़ने से मिलता हैं वह मोबाइल या कंप्यूटर से नहीं मिलता। आजकल किताब का चलन कम होने से सोचने समझने की क्षमता कम होती जा रही हैं। पुस्तकें पढ़ना शुकून देता हैं।

ये सच है कि जो व्यक्ति किताबों से दोस्ती कर लेता है, उसे इस बात का एहसास ज़रूर होता है कि किताबें एक व्यक्ति की बहुत अच्छी दोस्त बन सकती हैं। किताबें पढ़ने की आदत एक ऐसी आदत है जिसके सिर्फ और सिर्फ फ़ायदे ही हैं। यदि आप भी किताबें पढ़ना चाहते हैं लेकिन समझ नहीं पा रहे हैं कि किताबें पढ़ना शुरू कैसे करें तो परेशान ना हों। ये बहुत ही बढ़िया बात है कि आपने किताबें पढ़ने के बारे में सोचा तो सही और हम सब हमेशा से सुनते आ रहे हैं 'जहाँ चाह वहाँ राह'।

''अच्छे मित्र, अच्छी किताबें और साफ़ अन्तः करण, यही आदर्श जीवन है। '' – मार्क ट्वेन शुरुआत तो आपने कर ही दी है किताबों की इस खूबसूरत सी दुनिया का हिस्सा बनने की और हम आपके इस सफ़र को आसान बनाने में आपका साथ ज़रूर देना चाहेंगे। चलिए जानते हैं किस तरह आप आसानी से किताबें पढ़ने की आदत डाल पाएंगे।

यदि आप किताबें पढ़ना शुरू कर रहे हैं तो सबसे पहले खुद से यह सवाल पूछिए कि आप किताबें क्यों पढ़ना चाहते हैं। अपना शब्दकोष सुधारने के लिए, मनोरंजन के लिए, किसी विषय में ज्ञान बढ़ाने के लिए आदि। जब तक आप यह तय नहीं कर पाएंगे कि किताबें पढ़ना शुरू कर क्यों रहे हैं तो आप कोई भी किताब उठाकर पढ़ना शुरू करने की गलती कर सकते हैं और फिर किताब पढ़ते पढ़ते कुछ समय बाद आप उस किताब में रूचि खो देंगे। इसीलिए किताबें पढ़नी क्यों हैं इस बात का उत्तर यदि आपके पास है तो आप एक सही किताब का चयन कर पाएंगे और उसे पढ़ने में आपको बहुत आनंद आएगा।

जो व्यक्ति निरंतर किताबें पढ़ते हैं, एक समय के बाद वे हर तरह की किताब आसानी से पढ़ और समझ लेते हैं क्योंकि किताब पढ़ना उनकी आदत बन जाती है लेकिन यदि आप पढ़ने की शुरुआत ही कर रहे हैं तो कोई भी किताब उठाकर पढ़ने की गलती मत कीजियेगा। हो सकता है गलत किताब चुनने के कारण किताब पढ़ने की आदत डालने के बजाय आप किताबों में रूचि बनने से पहले ही खो दें इसीलिए सही किताबें चुने। ऐसी किताब पढ़े जिसे पढ़ने में आपको मज़ा आये और आप आगे भी पढ़ते रहना चाहें। उस किताब की कहानी आपको बांधकर रख पाए। सही किताब चुनने के लिए इन बातों को अपनाएं :

1 ऐसी किताब पढ़े जिसे पढ़ने में आप रूचि रखते हों।

2 कोई भी किताब खरीदने से पहले उसका सारांश पढ़ लें जिससे आपको किताब के बारे में आईडिया हो जाये। इंटरनेट पर आप किसी भी किताब का सारांश पढ़ सकते हैं और यदि आपको किताब का सारांश पसंद आये तो आप वो किताब खरीद सकते हैं।

3 यदि ऐसी कोई किताब है जो आप हमेशा से पढ़ना चाहते थे पर कभी पढ़ नहीं पाए तो आप वो किताब भी पढ़ सकते हैं ।

4 ध्यान रखें किताब ऐसी पढ़े जिसमे सरल भाषा का प्रयोग किया गया हो क्योंकि कई किताबों में कठिन शब्दों का प्रयोग होता है जो शुरुआत करने के लिए पढ़ना सही नहीं है।

5 यदि आपके कोई ऐसे दोस्त हैं जो किताबें पढ़ते हों तो आप उनसे सुझाव ले सकते हैं। वे आपको आपकी शुरुआत के हिसाब से अच्छी किताबें सुझाव / सलाह दे सकते हैं।

जब आप ये जान जाएं किस तरह की किताबें पढ़ना चाहते हैं तो उन किताबों की एक सूची तैयार कर लीजिये। जब आपके पास किताबों की एक सूची पहले से ही बनी होगी तो आपको बाद में इस कश्मकश में समय नहीं व्यर्थ करना पड़ेगा कि कौन सी किताब पढ़ें। आप एक एक कर सारी किताबें पढ़ पाएंगे और जब आप सारी किताबें पढ़ लेंगे तो आपको ख़ुशी होगी कि आप इतनी सारी किताबे पढ़ पाए।

आप अभी पढ़ने की शुरुआत कर रहे हैं तो ज़ाहिर सी बात है पढ़ते रहने के लिए किताब में आपकी रूचि होना बहुत ज़रूरी है। यदि आप शुरुआत में ही लम्बी सी किताब लेकर बैठ जाएंगे तो हो सकता है आप बीच में ही बोर हो जाएं या किताब पूरी ना पढ़ पाएं। ऐसा करने से ना तो आप उस किताब को पढ़ने का आनंद ले पाएंगे और शायद आगे किताबें पढ़ने का मन भी ना करे। इसीलिए शुरुआत में पतली किताबें पढ़ें जिन्हे आप पूरा पढ़ पाएं, ऐसा करने से किताब में रूचि भी बनी रहेगी और आप अच्छा महसूस करेंगे कि आप हर किताब पूरी पढ़ पा रहे हैं।

किताब का चुनाव कर लेने के बाद उसे पढ़ने की समय सीमा निर्धारित करें या एक दिन में कितने पृष्ठ पढ़ने हैं ये निर्धारित करें। ऐसा करने से आप हर दिन किताब पढ़ने के लिए समय निकालेंगे क्योंकि अगर एक दिन किताब पढ़कर कुछ दिनों तक पढ़ना छोड़ दें तो जब आप दोबारा वो किताब पढ़ना शुरू करेंगे तो हो सकता है आप उसकी कहानी भूल जाएं। ऐसा करने से आप किताब पढ़ने की आदत नहीं डाल पाएंगे।

नोट : यदि आप किताब पढ़ने का समय नहीं निकाल पा रहे तो पूरे दिन में किसी भी समय का अलार्म लगा लीजिये और जब वो अलार्म बजे तो बैठ जाइये किताब पढ़ने।

ये बात समझना बहुत ज़रूरी है कि आप किताबें इसलिए पढ़ना शुरू कर रहे हैं क्योंकि आप पढ़ना चाहते हैं, किताबें पढ़ना आपकी मजबूरी नहीं है। यदि आप कोई किताब पढ़ रहे हैं और वो आपको पसंद नहीं आती तो उसे पढ़ना बंद कर दीजिये क्योंकि किताब पढ़ने का आनंद तभी है जब आपकी उसे पढ़ने में रूचि हो, आप उसे आगे भी पढ़ते रहना चाहें। आप ऐसा भी कर सकते हैं कि जब एक किताब आगे पढ़ने का मन ना करे तो आप कोई नई किताब पढ़ना भी शुरू कर सकते हैं। एक ही समय में आप 2-3 किताबें भी पढ़ सकते हैं।

जो भी किताब आप पढ़ते हैं, यदि उससे आपने कुछ सीखा हो या उसमे कुछ पंक्तियाँ आपको बहुत पसंद आई हों या उसका कोई पात्र पसंद आया हो तो वो सब एक जर्नल में लिख लें। यदि आपके उस किताब के बारे में कुछ विचार हैं तो वो भी आप उस जर्नल में लिख सकते हैं। जब बाद में कभी आपके पास नयी किताब ना हो या पुरानी किताबों में से कोई पढ़ने का मन करे तो आप इस जर्नल की मदद से किताब का चुनाव कर सकते हैं।

शांत वातावरण में किताब पढ़ने से किताब पर ज़्यादा ध्यान लगाना आसान होता है। इसीलिए आप ये कोशिश करें कि एक ऐसी जगह पर और समय पर किताब पढ़ें जब आस पास शान्ति हो और आपको डिस्टर्ब करने वाला कोई ना हो। किताब पढ़ते समय अपने फ़ोन या टीवी से दूर रहे। किसी भी तरह के विकर्षण से दूर रहें।

अक्सर जब आप कहीं बाहर जाते हैं तो ऐसा हो सकता है कि आपको लम्बे समय के लिए इंतज़ार करना पड़ जाये या ऑफिस से घर के बीच लम्बा सफ़र हो। ऐसे में अधिकतर लोग अपने फ़ोन में कुछ ना कुछ देखकर समय व्यतीत करते हैं तो अपने फ़ोन की ब्लू लाइट से रहें दूर और अपनी किताब अपने साथ रखें और पढ़ें। आपका समय कब और कैसे बीत जाएगा आपको पता भी नहीं लगेगा।

किताब पढ़ने का कोई निर्धारित समय नहीं होता है। आप कभी भी किताब पढ़ सकते हैं, जब भी आपका मन हो या आप खाली हों लेकिन यदि आप सुबह जल्दी उठने वालों में से हैं तो कोशिश कीजिएगा कि आपकी सुबह की शुरुआत और दिन का अंत एक अच्छी किताब पढ़कर हो। सुबह सुबह आस पास बहुत शान्ति होती है तो किताब पर फोकस करना बहुत आसान होता है और रात को सोने से पहले यदि फ़ोन देखकर सोते हैं तो इस आदत की जगह किताब पढ़ने की आदत डालिये, आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

रीडिंग पार्टनर ढूंढें

यदि आपका कोई दोस्त या जानने वाला है जो किताबें पढ़ने का शौक़ीन हो तो ऐसे व्यक्ति को अपना रीडिंग पार्टनर बनाएं। इसका यह अर्थ है कि आप दोनों आपस में एक दूसरे को अपनी मन पसंद किताबें साझा कर सकते हैं या एक साथ दोनों एक ही किताब पढ़कर उस पर चर्चा भी कर सकते हैं। ऐसा करने से आपको एक नया दृष्टिकोण मिलेगा। यदि रीडिंग पार्टनर्स की संख्या बढ़ा सकते हैं तब तो ये सोने पे सुहागा हो जाएगा। वो कहते हैं ना 'एक से भले दो और दो से भले चार।'

इंतज़ार किस बात का है। उठा लीजिये अपना पेन और पेपर और लिखना शुरू कीजिये जो किताबें पढ़ना चाहते हैं।

कुछ स्टेप्स किताब पढ़ने की आदत डालने के लिए

वही किताब पढ़ें जिसमे आपकी रूचि हो, सरल भाषा वाली किताब पढ़ें। किताब पढ़ने से पहले उसका सारांश पढ़ लें। शांत वातावरण में पढ़ें। यदि आपको अपने शब्दकोष में सुधार करना है तो जो शब्द कठिन लगता है उसे कहीं लिख लें और उसका अर्थ पढ़ें। एक साल में कितनी किताबें पढ़नी हैं यह लक्ष्य निर्धारित करें और उसे पूरा करने की कोशिश करेंयदि कोई प्रेरक किताब पढ़ते हैं और उससे कुछ नया सीखते हैं या खुद में परिवर्तन पाते हैं तो इसके बारे में एक किताब में लिखिए।

कोशिश करें कि सुबह उठकर और रात को सोने से पहले किताब ज़रूर पढ़ें।

जिस तरह की किताब में आप रूचि रखते हों वही किताब पढ़े। कोशिश करें की आप ज्ञानवर्धक और प्रेरक किताबें भी पढ़ें। किताब पढ़ने का कोई एक समय नहीं होता। आप कभी भी किताब पढ़ सकते हैंकिताब पढ़ने का समय आपको खुद निर्धारित करना होगा लेकिन कोशिश करें की एक दिन में कम से कम आधा घंटा किताब ज़रूर पढ़ें । किताब पढ़ना एक बहुत अच्छी आदत है। किताब आपको सोचने का एक नया तरीका सिखाती है।1 महीने लगातार किताब पढ़िए, आप स्वयं रोज़ किताब पढ़ना चाहेंगे। किताब पढ़ने से आपकी स्मृति अच्छी होती है , आपका ज्ञानवर्धन होता है और किताब मनोरंजन का भी बहुत अच्छा साधन है।

पुस्तक पढ़ते समय यदि कोई बात लाभकारी ,ज्ञानवर्धक लगे एक अलग से कोरा कागज लेकर उसमे पृष्ठ संख्या जरूर लिखे जिससे महत्वपूर्ण जानकारी आपको तत्काल मिल सकती हैं। (लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन /ईएमसए)

आज का इतिहास 3 जुलाई

1527 फ्रांसिसी सेना ने इटली के मिलानी क्षेत्र पर हमला कर पोप को मुक्त कराया.
1583 रूस के जार इवान ने आवेश में अपने बेटे की हत्या कर दी.
1608 फ्रांस के खोजी समुअल डी,चैम्पलेन ने कनाड़ा के क्यूबेक शहर की आधारशिला रखी.
1665 डच बेड़े को इंग्लैंड के बेड़े ने शिकस्त दी.
1665 ब्रिटिश बेड़े ने सेंट मालो पर बमबारी की.
1760 मराठा सेना ने दिल्ली पर कब्जा किया.
1778 प्रसिया ने आस्ट्रिया के खिलाफ जंग का ऐलान किया.
1849 ग्युसेपी गैडराल्डी के विरोध के बावजूद फ्रांस के सैनिक रोम पहुंचने में सफल हो गए.
1881 ब्रिटेन के दबाव में तुर्की ने यूनान के साथ समझौता किया.
1896 तुर्की के सुलतान हमीद द्वितीय ने क्रीट के लोगों को प्रशासन चलाने का अधिकार दिया.
1908 बाल गंगाधर तिलक राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किए गए.
1944 द्वितीय विश्व युद्ध में सोवियत सैनिकों ने मिस्त्र पर कब्जा किया.
1950 कोरियाई युद्ध में अमरीका और उत्तर कोरियाई सैनिकों के बीच पहली टक्कर हुई.
1962 अल्जीरिया 132 वर्ष के फ्रांसीस शासन के बाद स्वतंत्र हुआ.
1971 इंडोनेशिया में 16 वर्ष के बाद चुनाव हुए.
1997 डॉ.शिवाजी गणेशन को वर्ष 1996 का दादा फाल्के पुरस्कार प्रदान किया गया.
2002 प्रधानमंत्री ने इनसैट-3सी उपग्रह राष्ट्र को समर्पित किया.
2004 प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने अल्पसंख्यकों के आरक्षण के लिए आयोग बनाने की घोषणा की.

एक और अजीबो-ग़रीब क़ानून की तैय्यारी में सरकार?

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने पिछले दिनों दिल्ली में एक कार्यक्रम को संबोधित करने के दौरान कहा कि वह सड़क पर 'ग़लत तरीक़े ' से वाहन खड़े करने की 'प्रवृत्ति' को रोकने के लिए एक क़ानून लाने पर विचार कर रहे हैं। इस क़ानून के तहत जो व्यक्ति 'ग़लत तरीक़े' से गाड़ी की पार्किंग करेगा, उस वाहन मालिक के ख़िलाफ़ 1000 रूपये का जुर्माना लगाया जायेगा। साथ ही यह भी की जो व्यक्ति 'ग़लत तरीक़े' से पार्क की गयी गाड़ी की फ़ोटो खींच कर भेजेगा यानी 'सरकार की मुख़बिरी' करेगा,सरकार उसे 500 रुपये की धनराशि इनाम के तौर पर भी देगी। गडकरी ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से एक कंप्लेंट नंबर भी जारी किया जायेगा। गोया इस क़ानून के बनने के बाद अब रोड साइड पर केवल चार पहिया वाहन ही नहीं बल्कि मोटरसाइकिल स्कूटर व स्कूटी आदि खड़ी करने वाले लोगों को भी जुर्माना देना होगा। इस क़ानून को लाने के पीछे गडकरी का तर्क है कि लोग अपने वाहनों के लिए पार्किंग नहीं देखते हैं। कहीं भी बाइक या अन्य वाहन खड़ा कर देते हैं। अतः इस नियम के शुरू होने से लोगों को ध्यान रहेगा कि ग़लत जगह पार्किंग करने पर एक हज़ार रुपये देना होगा। साथ ही इनाम के कारण लोग जागरूक भी होंगे। गडकरी के इस बयान के बाद ही आमलोगों में इस प्रस्तावित क़ानून को लेकर चर्चा शुरू हो गयी है। लोग यह बातें करने लगे हैं कि ऐसा क़ानून जनहितकारी होगा या इससे जनता में परेशानी और वैमनस्य बढ़ेगा ? कहीं यह क़ानून भी नोटबंदी की तरह जन अहितकारी तो साबित नहीं होगा ?

इसमें कोई शक नहीं कि हमारे देश के आम लोग जनसाधारण से जुड़ी तमाम बातों को लेकर काफ़ी लापरवाह हैं। अतिक्रमण,इसके चलते बाज़ारों में जाम की समस्या,ग़लत तरीक़े से गाड़ी पार्क कर देना,जहां चाहा वहीं खड़े होकर मूत्र विसर्जन करने लगना,कूड़ा करकट सड़कों,गलियों व नालियों में फेंकना यहाँ तक कि पान,तंबाकू खैनी आदि खाकर कहीं भी थूक देना जैसी असहज करने वाली अनेक प्रवृति गोया लोगों का स्वभाव बन चुकी है। कोई भी सभ्य समाज इसे क़तई अच्छा नहीं कह सकता। परन्तु यह एक सच्चाई है। अंग्रेज़ों ने इन सबसे बचने का दूसरा तरीक़ा निकाला था जिसे हम भारतीय नापसंद करते थे। उदाहरण के तौर पर इलाहाबाद के सिविल लाइंस क्षेत्र में शहरी क्षेत्र से प्रवेश करने के मुख्य द्वारा यानी निरंजन सिनेमा के निकट रेलवे ओवर ब्रिज के नीचे ब्रिटिश शासनकाल में एक बोर्ड लगाया गया था जिसपर लिखा था कि कोई भी भारतीय सायंकाल 5 बजे से रात्रि 10 बजे तक सिविल लाइन क्षेत्र में प्रवेश नहीं कर सकता। और भारतीय लोगों को रोकने के लिए इसी जगह पर दो भारतीय घुड़सवार खड़े होते थे जो अंग्रेज़ों के इस आदेश को अमल में लाते थे। बुज़ुर्ग बताते हैं कि ऐसा नियम इसी लिये था कि शाम के वक़्त अंग्रेज़ों का परिवार सैर सपाटा और शॉपिंग करने निकलता था और अंग्रेज़ नहीं चाहते थे कि उस दौरान कोई सड़कों पर खड़े होकर मूत्र विसर्जन करता या थूक कर सार्वजनिक स्थलों को लाल पीला करता या अनर्गल चीख़ता चिल्लाता या अंग्रेज़ मेम्स की नंगी टांगें या उनके लिबास को निहारता दिखाई दे।

अतः हम भारतवासियों के एक बड़े वर्ग की असहज व विचलित करने वाली इस तरह की प्रवृत्तियों से निश्चित रूप से इंकार नहीं किया जा सकता। परन्तु स्वतंत्र देश में पार्किंग नियंत्रित करने के लिये प्रस्तावित ऐसे क़ानून वह भी जनता को सुख पहुँचाने वाले कम और सरकारी राजस्व को बढ़ाने वाले व जनता को परेशान करने वाले अधिक प्रतीत होते हैं। इसके लिये तो सरकार को ही जगह जगह पार्किंग का प्रबंध करना चाहिये। ठीक वैसे ही जैसे कि निश्चित रूप से सड़क पर कहीं भी शौच या मूत्र विसर्जन ग़लत है। परन्तु यदि किसी को कहीं अचानक इसकी ज़रुरत महसूस हो तो इसके लिये जगह जगह साफ़ सुथरा शौचालय उपलब्ध कराना भी तो आख़िर सरकार की ही ज़िम्मेदारी है ? इसी तरह सरकार ने विभिन्न अलग अलग मार्गों व क्षेत्रों में वाहन की गति नियंत्रण के अलग अलग मापदंड बना रखे हैं। कहीं अधिकतम गति सीमा 40 किलोमीटर प्रति घंटा है तो कहीं 60,80 या 100 किलोमीटर। परन्तु यदि कोई वी आई पी या वी वी आई पी इनमें से किसी भी मार्ग अथवा क्षेत्र से गुज़र रहा हो तो उसके लिये गति सीमा का कोई निर्धारण नहीं ? यहां तक कि फ़ायर ब्रिगेड की गाड़ी को भी अति विशिष्ट व्यक्ति के क़ाफ़िले के साथ 100 और 120 किलोमीटर की रफ़्तार से भागना पड़ता है जोकि उसकी क्षमता के बाहर है। परन्तु कैमरा चालान प्रणाली से तो आम आदमी के वाहन के एक ही दिन में ओवर स्पीड के कई कई चालान हो जाते हैं ? जनता को परेशान करने वाला क़ानून का यह दोहरा मापदंड नहीं फिर आख़िर क्या है ?

गडकरी द्वारा प्रस्तावित क़ानून में जहाँ पार्किंग स्थल की कमी एक समस्या साबित होगी वहीं किसी के फ़ोटो खींचकर भेजने से आपसी रंजिश व वैमनस्य बढ़ने की भी पूरी संभावना है। इसके चलते समाज में रंजिश व मनमुटाव भी बढ़ सकता है। साथ ही बेरोज़गारी के इस दौर में लोग 500 रूपये इनाम की लालच में पैसे कमाने के चक्कर में इसी 'अवैध पार्किंग मुख़बिरी' को ही अपना व्यवसाय भी बना सकते हैं। 'व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी' में तो इस विषय पर लोग यह भी पूछ रहे हैं कि यदि कथित अवैध रूप से पार्क किये गये एक ही वाहन की एक ही समय में एक से अधिक 'मुख़बिरों ' ने सरकार को फ़ोटो भेजी तो क्या सारे ही मुख़बिर इनाम के हक़दार होंगे ? सरकार नोटबंदी,जी एस टी और कृषि सुधार अध्यादेश जैसे कई विवादित क़ानूनों पर पहले ही काफ़ी आलोचना झेल चुकी है। अब यदि फिर सरकार, वाहन पार्किंग को लेकर ऐसे क़ानून बनाती है तो वह भी शर्तिया तौर पर असफल भी होगा और आम लोगों के लिये कष्टकारी भी साबित होगा। ख़ासतौर पर पहाड़ी इलाक़ों में और महानगरों या बड़े शहरों में तो सफल होने की बिल्कुल उम्मीद नहीं। (लेखिका-- निर्मल रानी/ ईएमएस)

शब्द पहेली - 7335

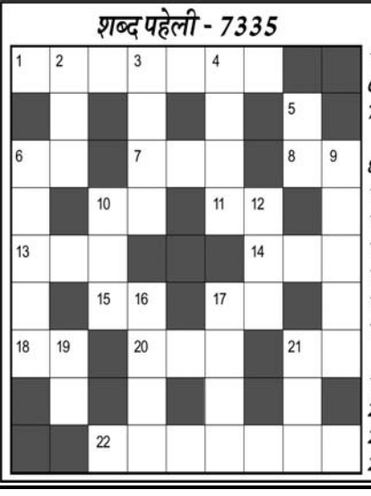

बाएँ से दाएँ

1.कृष्ण का एक नाम-4,3
6.धन,संपत्ति-2
7.इस युवती को बयान बदलने पर जेल की सजा हुई है-3
8.विजय,फतह-2
10.आम जनता,लोग-2
11.लाभ,कुल योग-2
13.निर्माण,कृति-3
14.उत्तर-3
15.नष्ट,विनाश-2
17.रुस्तमे हिंद का सिर्फ नाम-2
18.तह,अस्तर-2
20.राजी होना-3
21.अवरोध,रुकावट-2
22.आतंक फैलना-4,3

ऊपर से नीचे

2.भिड़ंत,मुठभेड़-3
3.इस्लामी महीना-4
4.हाथी,गज-4
5.न्यायाधीश-2
6.जोरदार-5
9.लालसी,आकांक्षी, पिपासु-5
10.स्त्रीत्वपूर्ण,स्त्रीय-3
12.वृतांत,घटना-3
16.हल,निष्कर्ष-4
17.राशन,भोजन-4
19.घोड़ा गाड़ी-2
21.रुकावट,अवरोध-3

शब्द पहेली -7334 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

रवींद्र जडेजा ने टेस्ट का तीसरा और साल का दूसरा सैकड़ा जड़ा, भारत ने पहली पारी में बनाए 416 रन

बर्मिंघम (ईएमएस)। भारत बनाम इंग्

साल-2022 दुनिया के धनकुबेरों के लिए बना दिवास्प्न, खरबों डॉलर डूबे

-भारतीय अरबपतियों की संपत्ति में हुआ इजाफा

नई दिल्ली (ईएमएस)। दुनिया के धनकुबेरों के लिए चालू वर्ष-2022 काफी नुकसान पहुंचाने वाला साबित हुआ है। शेयर बाजारों में आ रही गिरावट की वजह से दुनियाभर के धनकुबेरों की संपत्तियों में तेजी से गिरावट आई है। ब्लूमबर्ग की ओर से जारी बिलेनियर इंडेक्स के अनुसार, साल 2022 के शुरुआती 6 महीनों में दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क की कुल संपत्ति घटकर 210 अरब डॉलर रह गई और इस दौरान उन्हें 59.9 अरब डॉलर का झटका लगा है। दूसरे नंबर पर काबिज जेफ बेजोस की कुल संपत्ति 133 अरब डॉलर रह गई और उन्हें 59.3 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। इस दौरान टॉप 10 में शामिल सिर्फ भारतीय अरबपतियों की संपत्ति में ही इजाफा देखा गया है।

सबसे ज्यादा नुकसान फेसबुक के को-फाउंडर मार्क जुकरबर्ग को हुआ है। ब्लूमबर्ग के अनुसार, साल 2022 में जुकरबर्ग की कुल संपत्ति 65.9 अरब डॉलर गिरकर 59.3 अरब डॉलर रह गई है। इतनी बड़ी गिरावट की वजह से जुकरबर्ग अब टॉप 10 की सूची से भी बाहर हो गए हैं। जुकरबर्ग अब अरबपतियों की लिस्ट में 17वें पायदान पर पहुंच गए हैं। सूची में तीसरे पायदान पर काबिज फ्रांस के बर्नार्ड अर्नाल्ट की संपत्ति 2022 में अब तक 50.4 अरब डॉलर घट चुकी है और अब यह 128 अरब डॉलर रह गई है। इसी तरह, चौथे नंबर के अरबपति बिल गेट्स की संपत्ति 22.9 अरब डॉलर गिरकर 115 अरब डॉलर रह गई है। लैरी पेज को 29.3 अरब डॉलर का नुकसान हुआ तो वॉरेन बफे को 12.5 अरब डॉलर का झटका झेलना पड़ा, सर्जे ब्रिन की संपत्ति भी 28.3 अरब डॉलर घट गई तो स्टीव बाल्मर को 13.7 अरब डॉलर का नुकसान हुआ।

ब्लूमबर्ग के अनुसार, इसी दौरान टॉप 10 में शामिल रहे भारतीय अरबपति गौतम अडाणी और मुकेश अंबानी की संपत्तियों में इजाफा हुआ है। अडाणी की संपत्ति 22.3 अरब डॉलर बढ़कर 98.8 अरब डॉलर पहुंच गई और वे सूची में 6वें स्थान पर काबिज हैं। मुकेश अंबानी की संपत्ति में 3 अरब डॉलर का इजाफा हुआ और उनकी कुल संपत्ति 93 अरब डॉलर के आसपास पहुंच गई।

ब्लूमबर्ग की 500 अरबपतियों की सूची में शामिल अन्य भारतीयों में अजीम प्रेमजी की संपत्ति इस दौरान 15।5 अरब डॉलर घटी, जबकि शिव नाडर को 851 अरब डॉलर का नुकसान हुआ। राधाकिशन दमानी को भी 7.40 अरब डॉलर का झटका लगा जबकि लक्ष्मी मित्तल को 4.59 अरब डॉलर का नुकसान हो गया।

क्रिसिल ने 2022-23 के लिए जीडीपी वृद्धि का अनुमान घटाकर 7.3 प्रतिशत किया

मुंबई (ईएमएस)। घरेलू रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को घटा दिया। क्रिसिल ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर के अनुमान को 7.8 प्रतिशत से घटाकर 7.3 प्रतिशत कर दिया। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि तेल की ऊंची कीमतों, निर्यात मांग में कमी और उच्च मुद्रास्फीति के कारण पूर्वानुमान को घटाया गया। जिंस कीमतों में तेजी, माल ढुलाई की लागत बढ़ने, वैश्विक वृद्धि अनुमान कम होने से अर्थव्यवस्था पर दबाव बना है। इसके अलावा मांग पक्ष को बढ़ाने वाला सबसे बड़ा कारक निजी निवेश भी कमजोर बना हुआ है। रेटिंग एजेंसी ने अपने वृद्धि अनुमानों को घटाते हुए कहा ?कि उम्मीद की किरण सिर्फ संपर्क-गहन सेवाओं में वृद्धि और अच्छे मानसून से है। एजेंसी ने कहा कि उच्च मुद्रास्फीति क्रय शक्ति को कम करती है और खपत को प्रभावित करती है। खपत जीडीपी का सबसे बड़ा घटक है, और पिछले कुछ समय से कमजोर है। एजेंसी ने यह भी कहा कि ऊंची जिंस कीमतों, धीमी वैश्विक वृद्धि और आपूर्ति श्रृंखला में बाधा से चालू खाता प्रभावित होगा। अनुमान है कि चालू खाता घाटा वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़कर सकल घरेलू उत्पाद का तीन प्रतिशत हो जाएगा, जो 2021-22 में 1.2 प्रतिशत था।

पुतिन की किझंल मिसाइल से डरा अमेरिका, अपने हवाई क्षेत्र को किया सुरक्षित

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका ने अपने आसमान को और सुरक्षित कर लिया है। अमेरिका के दुश्मनों की मिसाइल उनके हवाई क्षेत्र में घुस नहीं सकते हैं। क्योंकि मिसाइलों पर अंतरिक्ष से नजर रखने के लिए अमेरिका ने दो गुप्त सैटेलाइट्स छोड़े हैं। बताया जा रहा है कि ये दोनों सैटेलाइट्स मिसाइल ट्रैकिंग का काम करने वाले हैं। यहां तक कि चीन या रूस या उत्तर कोरिया हाइपरसोनिक मिसाइल भी लांच करते हैं, तब भी अमेरिका के ये सैटेलाइट्स तुरंत इसकी जानकारी पेंटागन को मिल जाएगी।

ये दोनों सैटेलाइट्स एटलस-5 रॉकेट के द्वारा केप केनवरल स्पेस फोर्स स्टेशन से लांच किया गया। अमेरिकी स्पेस फोर्स ने इस मिशन को यूएसएसएफ-12 नाम दिया है। रॉकेट के पहले और दूसरे स्टेज साढ़े चार मिनट के लिफ्टऑफ के बाद सेपरेट हो गए थे। इसके बाद सेंटॉर इंजन ने दो बार और बर्न किया। फिर दोनों सैटेलाइट्स को धरती से 35,900 किलोमीटर ऊपर जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट में तैनात हो चुके हैं।

दोनों सैटेलाइट्स में से एक का नाम है वाइड फील्ड ऑफ व्यू सैटेलाइट है। यह अमेरिकी स्पेस फोर्स स्पेस सिस्टम कमांड का टेस्टिंग प्लेटफॉर्म है जो नई पीढ़ी का मिसाइल सर्विलांस टेक्नोलॉजी है। दूसरे सैटेलाइट में अमेरिका के डिपार्टमेंट ऑफ डिफेंस के कई टेक्नोलॉजी डेमॉन्स्ट्रेटर पेलोड्स हैं। इस यूएसएसफ-12 रिंग नाम दिया है। दोनों ही सैटेलाइट्स में लगे यंत्रों यानी पेलोड्स की जानकारी सार्वजनिक नहीं हुई है। इसमें छह अत्याधुनिक पेलोड्स हैं जिनका खुद का प्रोपल्शन सिस्टम है। यानी अगर इनपर कोई खतरा आता है, तब ये अपनी ऑर्बिट खुद ही बदल देने वाले हैं। छह फीट लंब इमेजिंग सेंसर लगा है।

रूस कुछ दिन पहले एक एनीमेटेड वीडियो जारी किया था, जिसमें उसने अपने हाइपरसोनिक किंझल मिसाइल से अमेरिका पर हमला करते दिख रहा था। माना जाता कि किंझल की गति ध्वनि की गति से पांच गुना ज्यादा है। यह दुनिया के किसी भी कोने में हमला कर सकती है। इसकी रेंज में पूरी धरती आती है। अंतरिक्ष में तैनात वर्तमान टेक्नोलॉजी सिर्फ बैलिस्टिक मिसाइलों को ट्रैक कर सकती है। लेकिन हाइपरसोनिक मिसाइलों को नहीं कर सकती थी। हाइपरसोनिक मिसाइलों को ट्रैक करने के लिए अमेरिकी डिपार्टमेंट ऑफ डिफेंस ने ओवरहेड पर्सिसटेंट इंफ्रारेड प्रोग्राम बनाया। यह वर्तमान और अगली पीढ़ी के हाइपरसोनिक मिसाइलों को ट्रैक कर सकते हैं। यानी रूस की किंझल मिसाइल भी इनकी नजर से बच नहीं सकती।

दुनिया के 110 देशों में फिर बढ़े कोरोना के मामले, पिछले सप्ताह में 18 फीसदी केस बढ़े

वाशिंगटन (ईएमएस)। दुनिया के ज्यादातर देशों को कोरोना से कुछ समय के लिए राहत मिलने के बाद फिर संक्रमण बढ़ने लगा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बताया कि 110 देशों में कोविड संक्रमण बढ़ा है। पिछले एक हफ्ते में केस 18 फीसदी बढ़े हैं। डब्ल्यूएचओ के डायरेक्टर जनरल टेड्रोस अदनोम घेब्रेयसस ने चेतावनी दी है कि महामारी अपने अंत से बेहद दूर है, और कोरोना के जेनेटिक विकास को ट्रैक करने की दुनिया की क्षमता 'खतरे' में है, जिसका कारण देशों की ओर से प्रतिबंधों में दी गई ढील है। टेड्रोस को डर लग रहा है कि समय के साथ कोरोना के नए वेरिएंट्स की पहचान करना और मुश्किल होगा है। दुनियाभर में कोविड से होने वाली मौतों की संख्या पिछले हफ्तों की तरह स्थिर बनी हुई है, लेकिन दुनिया के तीन हिस्सों में इसमें बढ़ोत्तरी हुई है जिसमें मिडिल ईस्ट, साउथ ईस्ट एशिया और अमेरिका शामिल है। पिछले सात दिनों में मिडिल ईस्ट में कोरोना मामलों का ग्राफ तेजी से ऊपर गया है जहां संक्रमण 47 फीसदी बढ़ा है।

यूरोप और साउथ ईस्ट एशिया में संक्रमण के मामले 32 फीसदी हैं, वहीं अमेरिका में 14 फीसदी बढ़े हैं। पिछले हफ्ते कोरोना के 41 लाख वैश्विक मामले दर्ज हुए। इनमें से ज्यादातर के लिए ओमीक्रोन के बीए.4 और बीए.5 सब-वेरिएंट जिम्मेदार थे। डब्ल्यूएचओ प्रमुख ने अपनी इस चेतावनी को भी दोहराया कि अभी भी दुनिया भर में करोड़ों लोगों को वैक्सीन नहीं लगी है। डब्ल्यूएचओ ने दक्षिण-पूर्व एशिया में देशों से कोरोना वैक्सिनेशन अभियान तेज करने की अपील की क्योंकि क्षेत्र में फिर से संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं।

केंद्र सरकार ने एडटेक कंपनियों को अनुचित व्यापार तरीकों के खिलाफ चेतावनी दी

- केंद्र ने एडटेक कंपनियों से कहा, अनुचित बिजनेस प्रैक्टिस बंद करें वरना कड़े निर्देशों के लिए तैयार रहें

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने एडटेक कंपनियों को अनुचित व्यापार तरीकों के खिलाफ चेतावनी दी है। उपभोक्ता मामलों के विभाग के सचिव रोहित कुमार सिंह ने हाल ही में इंटरनेट और मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आईएएमएआई) के तहत आने वाले इंडिया एडटेक कंसोर्टियम (आईईसी) के साथ बैठक में कहा कि यदि एडटेक कंपनियां अनुचित व्यापार प्रथाओं पर अंकुश नहीं लगाती हैं तो पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए कड़े दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे। बैठक में आईएएमएआई के प्रतिनिधि, आईईसी की सदस्य कंपनियां, अपग्रेड, बायजूस, अनएकेडमी, वेदांतु, ग्रेट लर्निंग, व्हाइटहैट जूनियर और सनस्टोन शामिल रहीं। इस दौरान भारत के एड-टेक इकोसिस्टम में उपभोक्ता के हितों को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने के तरीकों पर चर्चा की गई। सचिव ने कहा कि वेबसाइट्स पर फर्जी समीक्षाएं चिंता का विषय बनी हुई हैं। इसे नियंत्रित करने की जरूरत है। कुछ विज्ञापन दिशा-निर्देशों और मौजूदा नियमों के अनुरूप नहीं हैं। इसलिए, उपभोक्ताओं के हितों के अनुरूप मजबूत चैकप्वाइंट को बनाए रखने के लिए मिलकर काम करना अनिवार्य है।

उन्होंने कहा कि एएससीआई की अभी हाल की रिपोर्ट से पता चला है कि शिक्षा श्रेणी 2021-22 में विज्ञापन कोड का सबसे बड़ा उल्लंघनकर्ता है। आईईसी में भारतीय स्टार्ट-अप शामिल हैं और यह 95 फीसदी भारतीय लर्नर कम्युनिटी का प्रतिनिधित्व करता है। सचिव ने आईईसी को एडटेक इकोसिस्टम में सकारात्मक प्रयासों को जारी रखने और इस संबंध में एसओपी बनाने के लिए संबंधित हितधारकों के साथ एक संयुक्त कार्य समूह बनाने की सलाह दी। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अनुसार, टेलीविजन, रेडियो, या किसी अन्य इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, समाचार पत्रों, बैनर, पोस्टर, हैंडबिल, दीवार-लेखन आदि के माध्यम से कोई भी विज्ञापन या प्रचार माल, सेवाओं की प्रकृति, विशेषताओं या गुणों के बारे में उपभोक्ता को गुमराह करता है तो वह मोटे तौर पर एक भ्रामक विज्ञापन के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। पिछले ही महीने सरकार ने भ्रामक विज्ञापनों पर लगाम लगाने के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए थे। ?जिसमें उन विज्ञापनों पर भी लगाम कसी गई है जो उपभोक्ताओं को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए मुफ्त ऑफर देते हैं।

दावत-ए-इस्लामी ने किसी भी प्रकार के आंतकवाद के साथ जुड़ाव को खारिज किया

कराची (ईएमएस)। भारत में एक दर्जी कन्हैया लाल की निर्मम हत्या के बाद से चर्चा में आए पाकिस्तान के सबसे बड़े सुन्नी-बरेलवी मुस्लिम संगठनों में से एक दावत-ए-इस्लामी ने किसी भी प्रकार के आंतकवाद के साथ जुड़ाव को खारिज कर कहा कि वह विशुद्ध रूप से शैक्षिक, धर्म प्रचारक और परोपकारी संगठन है, जो शांति का प्रचार करता है। कराची मुख्यालय वाला संगठन तब से सुर्खियों में हैं, जब यह तथ्य सामने आया कि उदयपुर में हत्या करने वाले दो लोगों में से एक दावत-ए-इस्लामी से प्रेरित था और 2014 में उसने कराची की यात्रा की थी। रियाज अख्तरी और गौस मोहम्मद ने उदयपुर में दर्जी कन्हैया लाल की हत्या कर ऑनलाइन वीडियो पोस्ट करते हुए कहा था कि वे इस्लाम के अपमान का बदला ले रहे हैं। कराची के गुलशन-ए-इकबाल इलाके में दावत-ए-इस्लामी के मुख्यालय (फैजान-ए-मदीना) के एक वरिष्ठ मौलाना महमूद कादरी ने आतंकवाद के किसी भी कृत्य से अपने संगठन के जुड़ाव को खारिज कर दिया। महमूद ने कहा, दावत-ए-इस्लामी का आतंकवाद के किसी भी कृत्य से कोई लेना-देना नहीं है। हम विशुद्ध रूप से शैक्षिक, धर्म प्रचारक और परोपकारी संस्थान हैं और विश्व स्तर पर जीवन में शांति का प्रचार करते हैं।'

उन्होंने कहा कि दुनिया भर से हजारों छात्र इस्लाम के अध्ययन के लिए संगठन के मुख्यालय का दौरा करते हैं जहां चरमपंथ या कट्टरवाद का प्रचार प्रसार नहीं होता। उन्होंने कहा, हम बिल्कुल गैर सियासी संगठन हैं।' महमूद ने कहा कि दावत-ए-इस्लामी की दुनिया भर में शाखाएं हैं, संगठन एक टेलीविजन चैनल-मदनी चैनल संचालित करता है और समूह के सभी विवरणों के साथ एक वेबसाइट भी है। उन्होंने कहा, 1981 में दावत-ए-इस्लामी की स्थापना के बाद से, ऐसी एक भी घटना नहीं हुई है जिसमें हमारे किसी छात्र, अनुयायी या शिक्षक का नाम लिया गया हो या किसी हिंसक गतिविधियों में शामिल रहा हो।

स्नेक आइलैंड से अपने सैनिकों को वापस बुला रुस ने गिराए फॉस्फोरस बम

कीव (ईएमएस)। रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग अपने पांचवे माह में प्रवेश कर चुकी है। हाल ही में रूस ने स्नेक आइलैंड से अपने सैनिकों को वापस बुला लिया था। यूक्रेन ने आरोप लगाया है कि रूस ने काला सागर में स्थित द्वीप पर फॉस्फोरस बमों से हमला किया है। यूक्रेनी सेना के कमांडर-इन-चीफ ने कहा कि रूस के दो एसयू-30 लड़ाकू विमानों ने रूसी कब्जे वाले क्रीमिया प्रायद्वीप से द्वीप के ऊपर उड़ान भरते हुए फॉस्फोरस बम गिराए। यूक्रेनी सेना ने कहा, आज शाम करीब 6 बजे... रूसी वायुसेना के एसयू -30 विमानों ने दो बार जमीनी आइलैंड पर फॉस्फोरस बमों से हमला किया। बयान में सेना ने द्वीप के दूसरे नाम का इस्तेमाल किया। रूसी रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को द्वीप से सैनिकों की वापसी को 'सद्भावना' करार दिया। मंत्रालय ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की भागीदारी में हुए संयुक्त समझौतों के कार्यान्वयन के हिस्से के रूप में मानवीय अनाज निर्यात गलियारा बनाने के लिए मॉस्को ने स्नेक आइलैंड से अपनी पोजीशन छोड़ने का फैसला किया है।

यूक्रेनी सेना ने आरोप लगाया कि रूस 'खुद अपनी ही बात पर कायम नहीं रह सकता।' बयान के साथ शेयर किए गए वीडियो में एक प्लेन को दो बार द्वीप पर बम गिराते हुए देखा जा सकता है। फॉस्फोरस बम गिराए जाने के बाद आसमान में एक सफेद निशान छोड़ता है। आम नागरिकों के खिलाफ इस घातक हथियार का इस्तेमाल प्रतिबंधित है, लेकिन सैन्य ठिकानों पर हमला करने के लिए इस इस्तेमाल किया जा सकता है। फॉस्फोरस बम को काफी खतरनाक माना जाता है। ये दो तरह से इंसानी शरीर को सीधे नुकसान पहुंचाता है। पहला, शरीर को झुलसाकर और दूसरा धुएं से इंसान का दम घोंटकर। इस बम के कण भी शरीर के संपर्क में आने पर इंसान को घायल कर देते हैं। आमतौर पर युद्ध में वाइट फॉस्फोरस का इस्तेमाल होता है। जब यह ऑक्सिजन के संपर्क में आता है, तब यह जलने लगता है जिससे जहरीला धुआं पैदा होता है।

नूपुर शर्मा का समर्थन करने पर कटटरपंथियों के निशाने पर आए डच सांसद गिर्ट

एम्सटर्डम (ईएमएस)। भारतीय जनता पार्टी से निष्कासित नूपुर शर्मा की विवादित टिप्पणी पर घमासान थम नहीं रहा है। पूरी दुनिया से आलोचना का सामना कर रही नूपुर शर्मा से मुस्लिम समुदाय खासतौर पर नाराज है। लोग न सिर्फ नूपुर के प्रति गुस्सा जाहिर कर रहे हैं, बल्कि उनका समर्थन करने वालों पर भी निशाना साध रहे हैं। इसमें नीदरलैंड के सांसद गिर्ट विल्डर्स भी शामिल हैं, जो पहले दिन से खुलकर नूपुर का समर्थन कर मुस्लिम देशों को फटकार लगा रहे हैं।

नूपुर के आलोचकों ने डच सांसद की फोटो के साथ छेड़छाड़ कर फोटो को एक वीभत्स रूप दे दिया। शुक्रवार को विल्डर्स ने खुद अपनी फोटो शेयर कर लिखा, भारत, हिंदुत्व और नूपुर शर्मा का समर्थन करने के बदले में मुझे यह मिला। लेकिन मैं भयभीत नहीं हूं। जिहादियों भाड़ में जाओ। ट्विटर पर शेयर की गई फोटो को देख लोगों ने विल्डर्स का समर्थन कर उन्हें अपनी सुरक्षा का ध्यान रखने के लिए कह दिया। यह पहली बार नहीं है, जब विल्डर्स ने कट्टरपंथियों के लिए आक्रामक भाषा का इस्तेमाल किया है। उन्होंने पाकिस्तान, अरब देश और तालिबान को भारत की आलोचना करने से पहले अपने 'गिरेबांन में झांकने' और 'आईना देखने' की नसीहत दी थी। उन्होंने कहा था, 'मेरी नसीहत यही है कि भीड़ में जाओ और अपने काम से काम रखो।'

डच सांसद ने कहा था, 'मेरा मानना है कि इस्लामिक विचारधारा, न कि मुसलमान, दुनिया के लिए खतरा है न कि इस्लामोफोबिया। अगर आप इस्लाम की आलोचना करते हैं, तब आप 'इस्लामोफोब' नहीं हैं। मेरा मानना है कि नूपुर इस्लामोफोब नहीं हैं। दुनिया के इस्लामिक विचारधारा खतरा है जो पूरी तरह असहिष्णु है। इस्लाम हर उस चीज के प्रति असहिष्णु है जो इस्लामिक नहीं है इसलिए इस्लामोफोबिया नहीं, इस्लाम दुनिया के लिए खतरा है।'

2000 रुपए तक महंगा हो सकता है सोना

- सोने पर आयात शुल्क में हुई बढ़ोतरी का असर घरेलू सराफा बाजार पर भी पड़ेगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोने की कीमतें लगभग दो महीने से स्थिर रहने के बाद अब बढ़ सकती है क्योंकि सोने के आयात पर शुल्क में बढ़ोतरी के बाद अब सराफा बाजार में भी इसका असर दिखेगा। सरकार ने 1 जुलाई से सोने पर आयात शुल्क 10.75 फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया है। मई में सोने का आयात 23 अरब डॉलर तक पहुंच गया था, जिससे रुपए पर दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है और 1 जुलाई को यह डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर पर चला गया था। नया आयात शुल्क 30 जून से ही प्रभाव में आ गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि चूंकि भारत अपनी जरूरतों के लिए पूरी तरह सोने के आयात पर निर्भर है, लिहाजा आयात शुल्क में हुई बढ़ोतरी का असर घरेलू सराफा बाजार पर भी पड़ेगा और जल्द ही इसकी कीमतों में 2,000 रुपए प्रति 10 ग्राम का उछाल आ सकता है। पहले से ही महंगाई से जूझ रही जनता के लिए अब सोना खरीदना और महंगा हो जाएगा जिससे की मांग पर भी असर पड़ेगा।

सोने पर आयात शुल्क में वृद्धि के साथ ही इस पर लगने वाला कुल टैक्स 18.45 फीसदी पहुंच गया है। दरअसल, अभी तक सोने पर आयात शुल्क 7.5 फीसदी था, जिसे 5 फीसदी बढ़ाकर 12.5 फीसदी कर दिया गया है। इसके अलावा 2.5 फीसदी का एग्रीकल्चर इन्फ्रास्ट्रक्चर सेस भी लगाया जाता है, जिससे प्रभावी सीमा शुल्क 15 फीसदी हो जाता है। इसमें 0.45 फीसदी नेट डयूटी चार्ज जोड़ते हैं। इसके अलावा 3 फीसदी जीएसटी भी सोने पर लगता है, जिससे इसका कुल टैक्स बढ़कर 18.45 फीसदी पहुंच जाता है। देश में सोने का आयात मई में डेढ़ गुने से भी ज्यादा बढ़ गया। सरकार के आंकड़ों के अनुसार, मई में सोने का आयात पिछले साल से 56 फीसदी बढ़ा है, जबकि इस पर होने वाला खर्च 677 फीसदी बढ़कर 5.83 अरब डॉलर रहा। यही कारण रहा कि एमसीएक्स पर सोने में 2.50 फीसदी तेजी दिख रही थी, वहीं वै?श्विक बाजार में यह घटकर 1,800 डॉलर प्रति औंस पर आ गया था। वित्त मंत्रालय के अनुसार मई में कुल 107 टन सोने का आयात हुआ जो जून में भी तेजी से बढ़ रहा है। ज्यादा आयात से चालू खाते के घाटे पर दबाव बढ़ रहा है। यह पिछले वित्तवर्ष में जीडीपी के मुकाबले 1.2 फीसदी था, जो चालू वित्तवर्ष में जीडीपी का 2.9 फीसदी पहुंचने का अनुमान है।

भारत को डब्ल्यूटीओ में जिम्मेदार ठहराएं बाइडन!: अमेरिकी सांसद

- अमे??रिकी ?किसानों और पशुपालकों को प्रभा?वित कर रहे हैं भारत के व्यापार के विकृत तरीके

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमे?रिका के राष्ट्रप?ति जो बाइडन से अमेरिकी सांसदों के एक समूह ने आग्रह किया है कि वह व्यापार को विकृत करने वाले भारत के खतरनाक तरीकों को लेकर विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूएचओ) में उसके साथ विचार-विमर्श का एक औपचारिक अनुरोध दाखिल करें। बाइडन को लिखे पत्र में 12 सांसदों ने कहा कि विश्व व्यापार संगठन के वर्तमान नियम सरकारों को वस्तु उत्पादन के मूल्य के 10 प्रतिशत तक सब्सिडी देने की अनुमति देते हैं, लेकिन भारत सरकार चावल और गेहूं सहित कई वस्तुओं के उत्पादन के आधे से अधिक मूल्य पर सब्सिडी देना जारी रखे हुए है। सांसदों ने पत्र में आरोप लगाया है कि भारत की ओर से नियमों का पालन नहीं किए जाने और बाइडन प्रशासन की ओर से प्रवर्तन की कमी ने चावल और गेहूं की कीमतों एवं उत्पादन को कम करके और अमेरिकी उत्पादकों को अनुपातहीन नुकसान की स्थिति में डालकर वैश्विक कृषि उत्पादन और व्यापार माध्यमों को नया रूप दिया है।

पत्र में कहा गया है ?कि भारत के ये तरीके वैश्विक स्तर पर खतरनाक रूप से व्यापार को विकृत कर रहे हैं और अमेरिकी किसानों और पशुपालकों को प्रभावित कर रहे हैं। पत्र सांसद ट्रेसी मान और रिक क्रॉफर्ड की अगुवाई में लिखा गया है। उन्होंने कहा ?कि हम प्रशासन से डब्ल्यूटीओ में भारत के साथ विचार-विमर्श के लिए औपचारिक अनुरोध करने और अन्य डब्ल्यूटीओ सदस्यों के ऐसे घरेलू समर्थन कार्यक्रमों की निगरानी जारी रखने का आग्रह करते हैं जो व्यापार के निष्पक्ष तरीकों को नुकसान पहुंचाते हैं। भारत ने डब्ल्यूटीओ में अपने रुख का बचाव किया है। दुनिया भर के कई देशों और संगठनों ने अपने किसानों के हितों की रक्षा के लिए भारत के अडिग रुख की सराहना की है।

गृह युद्ध में मारे गए 3 लाख से ज्यादा सीरियाई

-संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में किया गया आंकलन

जिनेवा (ईएमएस)। सीरिया में 2011 में शुरू हुए गृह युद्ध के शुरुआती 10 वर्षों में तीन लाख से ज्यादा नागरिक मारे गए हैं। यह कहना है संयुक्त राष्ट्र का। एक ताजा आंकलन में संयुक्त राष्ट ने कहा है कि यह देश में जारी गृह युद्ध में हुई नागिरकों की मौत को लेकर अब तक का सबसे बड़ा आधिकारिक आकलन है।सीरिया में संघर्ष देश के विभिन्न हिस्सों में मार्च 2011 में लोकतांत्रिक सुधारों की मांग को लेकर भड़के सरकार विरोधी प्रदर्शनों के साथ शुरू हुआ था।

इससे पहले मिस्र, टयूनीशिया, यमन, लीबिया और बहरीन जैसे देश भी ऐसे प्रदर्शनों के गवाह बने थे, जिन्हें अरब क्रांति की संज्ञा दी गई थी।इन प्रदर्शनों के चलते दशकों से हुकूमत कर रहे कुछ अरब नेताओं को सत्ता भी गंवानी पड़ी थी।हालांकि, सीरिया में संघर्ष जल्द ही एक संपूर्ण गृह युद्ध में तब्दील हो गया, जिसने लाखों लोगों की जान ले ली और देश के एक बड़े हिस्से को तबाह कर दिया। मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट में सीरिया में संघर्ष के चलते एक मार्च 2011 से 31 मार्च 2021 के बीच कम से कम 306,887 नागरिकों के मारे जाने का अनुमान जताया गया है।

मानवाधिकारों के लिए संयुक्त राष्ट्र की उच्चायुक्त मिशेल बैशलेट ने कहा, ये वे लोग हैं, जो सीधे तौर पर युद्ध अभियानों के चलते मारे गए।इनमें स्वास्थ्य देखभाल, भोजन, स्वच्छ पानी और अन्य आवश्यक मानवाधिकारों तक पहुंच न होने के कारण जान गंवाने वाले ढेरों अन्य नागरिक शामिल नहीं हैं. मालूम हो कि इन आंकड़ों में युद्ध में जान गंवाने वाले सैनिकों और विद्रोहियों की संख्या शामिल नहीं है, जो लाखों में हो सकती है।इन आंकड़ों में उन मृतकों की संख्या भी शामिल नहीं है, जिनके परिजनों ने प्राधिकारियों को सूचित किए बिना ही उन्हें दफना दिया।

अब ज्यादा सुरक्षित हो जाएगा नेशनल पेंशन सिस्टम में निवेश करना

- 15 जुलाई से बदल रहे फंड मैनेजर्स के लिए नियम, सभी योजनाओं पर निवेशकों को देनी होगी रिस्क की जानकारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) में निवेश करना अब और भी सुरक्षित हो जाएगा। पेंशन नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) फंड मैनेजर्स के लिए 15 जुलाई से नए नियम लागू कर रहा है। फंड मैनेजर्स को अब सभी योजनाओं पर रिस्क की जानकारी निवेशकों को देनी होगी। इसके लिए एनपीएस में आने वाली सभी स्कीमों को रेटिंग देनी होगी, जो उस स्कीम के जोखिम के स्तर को बताएंगे। नियामक ने एक सर्कुलर जारी कर कहा है कि एनपीएस लंबी अवधि के निवेश विकल्प के लिए एक बेहतर एसेट बनता जा रहा है और अगर इसमें सही तरीके से पैसा लगाया जाए तो रिटायरमेंट के लिए अच्छा फंड जुटाया जा सकता है। इसके लिए जरूरी है कि स्कीम के जोखिम का पता निवेशकों को चलता रहे। 15 जुलाई से लागू नए नियम के तहत एनपीएस की स्कीमों के जोखिम को 6 स्तरों पर पहचाना जाएगा। इसमें कम जोखिम, कम से मध्यम जोखिम, मध्यम जोखिम, मध्यम उच्च जोखिम, उच्च जोखिम और बहुत अधिक जोखिम जैसी रेटिंग दी जाएगी।

नियामक ने कहा है कि पेंशन फंड के साथ उसके जोखिम भी जुड़े होते हैं। ऐसे में यह जरूरी है कि निवेशकों को इन जोखिमों के प्रति जागरूक किया जाए, ताकि उन्हें सही एसेट चुनने में आसानी हो। सर्कुलर में कहा गया है कि पेंशन फंड से जुड़ी सभी वेबसाइट पर पोर्टफोलियो डिस्क्लोजर नाम से सेगमेंट बनाया जाए। इसमें हर तिमाही की समाप्ति के बाद 15 दिन के भीतर रिस्क प्रोफाइल को बताया जाए। साथ ही इसकी भी जानकारी दी जाए कि सालभर में रिस्क के स्तर में कितनी बार बदलाव आया है। कुल मिलाकर रिस्क प्रोफाइल का मूल्यांकन हर तिमाही करने के साथ इसकी जानकारी वेबसाइट पर देना अनिवार्य होगा। साथ ही पेंशन फंड को इसकी जानकारी पेंशन ट्रस्ट को भी देनी होगी। साल की समाप्ति पर 31 मार्च को पेंशन फंड को अपनी वेबसाइट पर यह बताना होगा कि इस दौरान कितनी बार रिस्क लेवल में बदलाव आया है। अभी पेंशन स्कीम के तहत चार तरह के विकल्प आते हैं। इक्विटी, कॉरपोरेट डेट, सरकारी बांड और वैकल्पिक एसेट।

हर एसेट क्लास में भी योजनाओं के दो स्तर होते हैं। ग्राहक पहले फंड मैनेजर का चुनाव करता है और फिर निवेश विकल्पों में से किसी को चुनता है। एनपीएस के तहत दो तरह के खाते खोले जाते हैं, टीयर 1 और टीयर 2. इसमें से टीयर 1 खाता रिटायरमेंट सेविंग के लिए होता है, जिसमें न्यूनतम 500 रुपए मासिक का अंशदान किया जा सकता है। इस पर आयकर की धारा 80सीसीडी (1बी) के तहत टैक्स छूट का लाभ भी दिया जाता है। टीयर 2 खाता अतिरिक्त निवेश के लिए खोला जा सकता है, जिसमें न्यूनतम 1,000 रुपए का निवेश करना जरूरी होगा। इस खाते पर कोई टैक्स छूट नहीं मिलती, लेकिन इसमें से आप जब चाहें पैसा निकाल सकते हैं।

सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंध के बाद एफएमसीजी व सिगरेट कंपनियों ने दिखाई तेजी

नई दिल्ली (ईएमएस)। सरकार ने शुक्रवार से प्लास्टिक से बने स्ट्रॉ पर प्रतिबंध लागू कर ?दिया है, ?जिसके बा द से रोजमर्रा के सामान बनाने वाली बड़ी कंपनियों (एफएमसीजी) एवं कृषि-खाद्य इकाइयों ने फलों के जूस एवं डेयरी उत्पादों के पैक के साथ कागज से बने स्ट्रॉ की पेशकश की तरफ कदम बढ़ाने शुरू कर दिए हैं। पार्ले एग्रो, डाबर, अमूल और मदर डेयरी जैसी प्रमुख कंपनियों ने टेट्रा पैक के साथ अब प्लास्टिक स्ट्रॉ की जगह कागज से बने स्ट्रॉ एवं अन्य वैकल्पिक समाधानों की पेशकश करनी शुरू कर दी है। उद्योग निकाय एक्शन अलायंस फॉर रिसाइक्लिंग बीवरेज कार्टंस (एएआरसी) ने कहा कि एफएमसीजी कंपनियों को प्लास्टिक स्ट्रॉ के कारगर विकल्प तलाशने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में जल्द ही कारगर विकल्प नहीं मिलने पर इन उत्पादों की आपूर्ति प्रभा?वित हो सकती है। एकल उपयोग वाले प्लास्टिक (एसयूपी) पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा पिछले साल की गई थी और यह प्रतिबंध एक जुलाई से अमल में आ गया है। इस बीच सिगरेट विनिर्माता कंपनियों ने भी सिगरेट के पैक पर लगने वाली पतली प्लास्टिक परत के विकल्प के तौर पर प्राकृतिक रूप से नष्ट हो जाने वाली (बायोडिग्रेडेबल) परत का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। सिगरेट उद्योग की संस्था टोबैको इंस्टीटयूट ऑफ इ

अमित शाह द्वारा चांदलोडिया एवं साबरमती स्टेशनों पर विभिन्न यात्री सुविधाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास

- चांदलोडिया,साबरमती एवं आंबली रेलवे स्टेशनों पर 9 जोड़ी ट्रेनों का ठहराव का शुभारंभ

अहमदाबाद (ईएमएस)गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा 2 जुलाई 2022 को चांदलोडिया रेलवे स्टेशन पर अहमदाबाद मंडल के चांदलोडिया और साबरमती स्टेशनों पर विभिन्न यात्री सुविधाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया। गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा चांदलोडिया 'बी' पेनल पर स्थित 430 मीटर लंबाई वाले 1.64 करोड़ लागत से तैयार हाइ लेवल प्लेटफ़ार्म, 25 लाख की लागत से निर्मित अनारक्षित सह आरक्षित नये बुकिंग कार्यालय, चांदलोडिया तथा खोडियार स्टेशनों के बीच लेवल क्रॉसिंग संख्या 1 के पर 7.93 करोड़ की लागत निर्मित नये रोड अंडर ब्रिज का लोकार्पण किया गया। प्लेटफॉर्म की ऊंचाई बढ़ने से कोच तथा प्लेटफॉर्म के बीच का अंतर कम होगा जिससे यात्रियों को गाड़ी में चढ़ने-उतरने में परेशानी नहीं होगी। नये बुकिंग कार्यालय बनने से चांदलोडिया तथा आसपास के क्षेत्र के लोगों को चांदलोडिया स्टेशन पर ही आरक्षित टिकट मिल सकेंगे तथा उनके समय और आने-जाने के खर्च की बचत भी होगी। चांदलोडिया तथा खोडियार स्टेशनों के बीच लेवल क्रॉसिंग संख्या 1 के पर नये रोड अंडर ब्रिज का निर्माण से लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी एवं इससे पैदल यात्रियों और वाहनों का तेज, सुगम तथा सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित होगा। रेलवे और एएमसी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया यह कार्य 'फाटक मुक्त गुजरात' की दिशा में एक बड़ा कदम है। साबरमती रेलवे स्टेशन पर 1.5 करोड़ की लागत से निर्मित महिला प्रतीक्षालय, सामान्य प्रतीक्षालय तथा वातानुकूलित श्रेणी प्रतीक्षालय सहित तीन नये प्रतीक्षालयों तथा साबरमती रेलवे स्टेशन के अहमदाबाद छोर पर 3.87 करोड़ रुपये की लागत निर्मित नये फुट ओवर ब्रिज का लोकार्पण माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री द्वारा किया गया। इन प्रतीक्षालयों के निर्माण से यात्रियों को आराम तथा प्रतीक्षा हेतु खुले स्थान की अपेक्षा साफ-सुथरे एवं आरामदायक कक्षों में बैठने की सुविधा प्राप्त होगी। इस फुट ओवर ब्रिज के निर्माण से अधिक संख्या में यात्री जल्दी तथा सुरक्षित रूप से एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म पर आ-जा सकेंगे। अब यात्रियों को पहले से उपलब्ध पैदल पुल के अतिरिक्त एक और पुल की सुविधा प्राप्त होगी। एएमसी क्षेत्र में एल सी गेट संख्या 240, 241, 242, तथा 243 के स्थान पर 18.00 करोड़ की लागत के चार रोड अंडर ब्रिजों का शिलान्यास किया। इन रोड अंडर ब्रिज के निर्माण होने पर एस जी हाइवे, चांदखेड़ा, त्रागड़ तथा डी-कैबिन के बीच आवागमन हेतु बेहतर कनेक्टिविटी होगी। इन अंडर ब्रिजों का निर्माण फाटक मुक्त गुजरात की दिशा में एक अभूतपूर्व कदम होगा, क्योंकि यह चारों लेवल क्रॉसिंग एएमसी क्षेत्र के व्यस्ततम ट्रेफिक वाले इलाकों में है। चांदलोडिया,साबरमती एवं आंबली रेलवे स्टेशनों पर निम्नलिखित 9 जोड़ी ट्रेनों का ठहराव का शुभारंभ माननीय गृहएवं सहकारिता मंत्री द्वारा किया गया।

चांदलोडिया स्टेशन पर

1. ट्रेन सं.15045/46 - गोरखपुर-ओखा एक्सप्रेस
2. ट्रेन सं 11463/64 - सोमनाथ-जबलपुर एक्सप्रेस
3. ट्रेन सं 11465/66 - सोमनाथ-जबलपुर एक्सप्रेस
4. ट्रेन सं 19217/18 - बांद्रा (टी)-वेरावल एक्सप्रेस
5. ट्रेन सं 22945/46 - मुंबई-ओखा एक्सप्रेस

साबरमती स्टेशन पर

1 ट्रेन सं 14707/08 - बीकानेर-दारार एक्सप्रेस
2 ट्रेन सं 15269/70 - मुजफ्फरपुर-अहमदाबाद एक्सप्रेस

आंबली रोड स्टेशन पर

1 ट्रेन सं 19119/20 - अहमदाबाद-सोमनाथ एक्सप्रेस
2 ट्रेन सं 22959/60 - वडोदरा-जामनगर एक्सप्रेस

अंबाजी में भारी बारिश

रास्ते पर नदियां बहने लगी, कई वाहन बहने लगे

भारी बारिश की वजह से गलियां और सोसाइटी में पानी भर गया था, विशेष करके वाहन चालकों को परेशानी हुई थी

बनासकांठा, २ जुलाई।

पिछले दो दिन से बारिश ने राज्य पर मेहरबानी की है। उत्तर गुजरात के बनासकांठा में बारिश का माहौल था। इस दौरान यात्राधाम अंबाजी में भारी बारिश हुई थी। बारिश होने की वजह से यहां रास्ते पर ही नदियां बहने लगी हो ऐसे दृश्य सामने आये थे। दूसरी तरफ रास्ते पर बहते पानी में कुछ वाहन भी बहने लगे। भारी बारिश से शहर के रास्ते पर पानी पानी हो गया। उल्लेखनीय है कि मौसम विभाग ने शुक्रवार को उत्तर गुजरात के साबरकांठा, बनासकांठा सहित के क्षेत्रों में भारी बारिश होने का पूर्वानुमान है। भारी बारिश की वजह से गलियां और सोसाइटी में पानी भर गया था। विशेष करके वाहन चालकों को परेशानी हुई थी। जिले के कई क्षेत्रों में शुक्रवार को बारिश हुई थी। आज भी शनिवार को सुबह में भी अंबाजी में भारी बारिश दर्ज की गई है। मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार को शाम से ही अंबाजी में भारी बारिश शुरू हो गई थी। सीजन की पहली बारिश होने से व्यापारियों ने कामकाज पहले ही पूरा कर लिया। शहर में सीजन की पहली बारिश ही बिजली की मेघगर्जना के साथ हुई थी। रात को करीब दो इंच बारिश हो गई। दूसरी तरफ बारिश की वजह से रास्ते पर जैसे की बड़ी नदी बहती हो ऐसे दृश्य देखने को मिले थे। आज यानी कि शनिवार को अंबाजी में बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने राज्य में आगामी पांच दिन भारी बारिश होने का पूर्वानुमान है। मौसम विभाग दक्षिण गुजरात में पांच दिन तक भारी से अति भारी बारिश होने की संभावना है। दक्षिण गुजरात के भरूच, सूरत, वलसाड, नवसारी, दमन, दादरानगर हवेली में भारी से अति भारी बारिश होने की संभावना है। दूसरी तरफ उत्तर गुजरात के बनासकांठा, साबरकांठा, अरवल्ली में भारी बारिश होने का पूर्वानुमान है। गुजरात की बात करे तो आणंद, पंचमहाल, दाहोद, वडोदरा, छोटाउदेपुर में भारी बारिश होने की संभावना है। सौराष्ट्र में जूनागढ़, अमरेली, भावनगर, गीर सोमनाथ में भारी बारिश होने का पूर्वानुमान है।

'विश्वास प्रोजेक्ट' का प्रथम चरण पूर्ण, राज्य भर में 7 हज़ार सीसीटीवी कैमरा स्थापित

- द्वितीय चरण में टीयर-3 श्रेणी के 51 शहरों में 10 हज़ार से अधिक सीसीटीवी कैमरा स्थापित किए जाएँगे

गांधीनगर (ईएमएस)'ट्रैफ़िक मैनेजमेंट एण्ड सिक्योरिटी (यातायात नियमन तथा सुरक्षा) के लिए वर्ष 2020 में राज्य भर में सीसीटीवी (क्लोज़्ड-सर्किट टेलीविज़न) कैमरा स्थापित करने के 'विश्वास प्रोजेक्ट' के प्रथम चरण का शुभारंभ हुआ था और 1 मई, 2022 की स्थिति के अनुसार समग्र राज्य में 7 हज़ार सीसीटीवी कैमरा स्थापित कर प्रथम चरण पूर्ण कर लिया गया है। अब राज्य सरकार इस प्रोजेक्ट के द्वितीय चरण की तैयारी कर रही है, जिसमें इसकी व्यापकता छोटे शहरों में विस्तृत की जाएगी। दूसरे चरण में टियर-3 श्रेणी के 51 शहरों में 10 हज़ार से अधिक सीसीटीवी कैमरा स्थापित किए जाएँगे। इसके लिए टेंडरिंग (निविदा) सहित सभी प्रक्रियाएँ शुरू कर दी गई हैं और वर्ष 2023 के अंत तक यह कार्य पूर्ण कर दिया जाएगा। वर्ष 2013-14 में तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों की सुरक्षा एवं ट्रैफ़िक नियमन के लिए राज्यव्यापी सीसीटीवी कैमरा आधारित व्यवस्था स्थापित करने का विज़न प्रस्तुत किया था। इसके आधार पर बड़े शहरों में पायलट प्रोजेक्ट की सफलता के बाद 'विश्वास प्रोजेक्ट' शुरू हुआ था, जो राज्य के 34 ज़िला मुख्यालयों, 41 शहरों तथा 6 आध्यात्मिक स्थलों (सोमनाथ, द्वारका, पालीताणा, अंबाजी, पावागढ तथा डाकोर) और स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी (एसओयू) में शुरू किया गया था। 'विश्वास प्रोजेक्ट' का मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक स्थलों पर सुरक्षा निगरानी, ट्रैफ़िक नियमन तथा नियंत्रण, घटना के बाद की वीडियो फ़ॉरेंसिक तथा जाँच और सड़क सुरक्षा एवं शहरी गतिशीलता है। सीसीटीवी कैमरा के दृश्यों की मॉनिटरिंग ज़िला कमाण्ड एण्ड कंट्रोल सेंटर में होती है, जिसे 'नेत्रम्' कहा जाता है।

'विश्वास' की सफलता : सीसीटीवी कैमरा द्वारा इस प्रकार की व्यवस्था किए जाने के कारण वर्ष 2018 से 2021 के दौरान सड़क दुर्घटनाओं में 19.09 प्रतिशत की कमी आई है। जहाँ तक ट्रैफ़िक नियमन का सवाल है, तो 13 जून, 2022 की स्थिति के अनुसार 55,20,80,100 रुपए मूल्य के 15,32,253 ई-मेमो जारी किए गए। ई-चालान की प्रक्रिया को पेमेंट पोर्टल तथा मोबाइल ऐप्लिकेशन की सहायता से पूरी तरह पारदर्शी एवं सरल बनाया गया है। सीसीटीवी सर्वेलांस तथा चालान प्रणाली के कारण रोड बिहेवियर में भी बदलाव देखने को मिला है। बॉडी वॉर्न कैमरा तथा ड्रोन के कारण सीमित पुलिस बल के बावजूद बड़े पैमाने पर कार्य करना संभव हुआ है। इसके कारण भी कामकाज में पारदर्शिता आई है।

टेक्नोलॉजी से लैस : सीसीटीवी सर्वेलांस में 'विश्वास प्रोजेक्ट' के अंतर्गत हाल में इंटेलिजेंट ट्रैफ़िक मैनेजमेंट सॉफ़्टवेयर है, जिसमें ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकॉग्निशन, रेड लाइट वायलेशन डिटेक्शन, चोरी गए वाहनों की अलर्ट प्रणाली है। इसके द्वारा अवैध पार्किंग, बाधक/अवरोधक पदार्थों की पहचान, भीड़ की पहचान, लोगों की गणना, कैमरा के साथ छेड़छाड़ आदि सरलता से पहचानी जा सकती है। प्रोजेक्ट के अंतर्गत अब तक कुल 10 हज़ार बॉडी वॉर्न कैमरा दिए गए हैं, जबकि 15 ड्रोन कैमरा हैं। जहाँ तक डिजिटल तथा इनफ़ॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के उपयोग से सुशासन की बात है, तो गुजरात ने समग्र देश में अभूतपूर्व कार्य किया है। हाल में सरकार की महत्वपूर्ण सेवाएँ ऑनलाइन उपलब्ध हैं और इनके द्वारा राज्य के नागरिकों का कामकाज सरल हुआ है तथा उनके समय की भी बचत हो रही है।

हाल ही में मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने राजकोट में एक कार्यक्रम में कहा था, ''सरकार सुशासन के लिए प्रतिबद्ध है और आगामी दिवसों में 200 प्रकार की ऑनलाइन सेवाएँ गाँवों तक पहुँचाने की दिशा में कार्य हो रहा है। अंतिम छोर के मानव तक सुख-सुविधाओं का पहुँचना आवश्यक है और अटल बिहारी वाजपेयीजी भी कहते थे कि ग्रामीण क्षेत्र सुखी व समृद्ध होंगे, तो अंततः देश सुखी व समृद्ध होगा।'' इस प्रोजेक्ट के विषय में गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राज कुमार ने कहा, ''राज्य में क़ानून-व्यवस्था की स्थिति मज़बूत करने, अपराधों के डिटेक्शन तथा ट्रैफ़िक मैनेजमेंट के लिए 'विश्वास प्रोजेक्ट' अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ है। सरकार ने उचित प्लानिंग के साथ रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थानों पर सीसीटीवी कैमरा लगा कर सुरक्षा की दृष्टि से मज़बूत कार्य किया है। आगामी दिवसों में 'विश्वास प्रोजेक्ट' का दायरा छोटे शहरों तक बढ़ाया जा रहा है, जिससे लोगों को और अधिक सुरक्षा एवं सुविधा मिलेगी।''

अब कोई भी संपत्तियों के दस्तावेज पेंडिंग नहीं रहेगा

गांधीनगर, २ जुलाई ।

दस्तावेजों के रजिस्ट्रेशन को लेकर राज्य सरकार के राजस्व विभाग ने महत्व का निर्णय लिया है।

पक्षकारों और अधिकारियों के मेलमिलाप के बीच घोटाले की संभावना को रोकने के लिए अब जमीन संपत्ति के दस्तावेजों के रजिस्ट्रेशन पेंडिंग नहीं रखा जा सकेगा। राजस्व विभाग ने एक ही झटके में रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पेंडिंग रखने पर प्रतिबंध रखा गया है। रजिस्ट्रेशन सर निरीक्षक और सुप्री. ऑफ स्टेम्पस जेनु देवन के हस्ताक्षर से मंगलवार को प्रसिद्ध परिपत्र का अमल पहली जुलाई से हो गया है। पहली जुलाई से अधुरा दस्तावेज के साथ होते सभी दस्तावेजों का रजिस्ट्रेशन बंद होगा। सरकार के महत्वपूर्ण निर्णय की वजह से आगामी दिनों में यह प्रक्रिया में सरकार को होता आर्थिक नुकसान बंद होगा ऐसा दावा किया गया है। राजस्व रिकॉर्ड में दस्तावेज के एन्डोर्समेंट पेज तथा पेंडिंग रजिस्टर में पेंडिंग मामले में कोई उल्लेख नहीं होता है। इतना ही नहीं, पक्षकार तरफ से कम पड़ते आधार सबूत पेश करने के लिए कोई समय सीमा भी निश्चित नहीं है। संपत्ति का मूल्य निश्चित करने की समय अवधि भी फिक्स नहीं है। यह परिस्थितियों में कम स्टेम्प ड्यूटी के लाभ के सामने आर्थिक घोटाला बढ़ता है। प्रशासनिक घोटाले होने पर सरकार को नुकसान होता है। यह परिपत्र के द्वारा सभी सब रजिस्ट्रार, उप कलेक्टरों को आदेश हुआ है। जिसमें कहा गया है कि, रजिस्ट्रेशन अधिनियम १९०८, रजिस्ट्रेशन नियम १९७०, स्टेम्प एक्ट १९५८, बाजार कीमत निश्चित करने के नियम १९७०, स्टेम्प ड्यूटी एक्ट १९५८ बाजार कीमत निश्चित करने के लिए नियम १९८४, स्थायी सूचन के अनुसार सभी स्तर से जांच करने के बाद योग्य लगे तो दस्तावेज नंबर जनरेट करना।

यदि यह सभी प्रावधान पूरी नहीं करे तो ऐसा दस्तावेजों का रजिस्ट्रेशन नहीं करे। इस मामले की जानकारी पक्षकारों को लिखित में जानकारी करके ऑफिस की डुप्लीकेट में इसकी सही लेकर सात दिन में आधार सबूत पेश करना। स्टेम्प ड्यूटी की अधूरी रकम भरपाई करने की जानकारी देनी पड़ेगी। यदि पक्षकार सात दिन के अंदर कम हो रही मामले को पूरा नहीं करे, स्टेम्प ड्यूटी की अधुरी रकम भरपाई करने में विफल रहे तो यह दस्तावेज इसे वापस देना पड़ेगा।

उदयपुर के कनैयालाल की हत्या की कड़ी प्रतिक्रिया थराद के वाघासण ग्राम पंचायत ने मुस्लिम फेरिया-व्यापारियों के आर्थिक बहिष्कार की नोटिस

थराद, २ जुलाई।

बनासकांठा जिले में स्थित थराद तहसील के वाघासण ग्राम पंचायत द्वारा मुस्लिम समाज के फेरिया और व्यापारियों का आर्थिक बहिष्कार करने के लिए नोटिस जारी किया गया है। भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा द्वारा पयगंबर मामले में की गई टिप्पणी और उदयपुर में एक दर्जी की दिन में चाकू के द्वारा की गई हत्या के बाद देश में भारी खलबली मच गई है। देशभर में इस घटना की कड़ी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है और देश में हिंदू -मुस्लिम समाज के बीच के मतभेद की गहराई ज्यादा गहरी बन रही है। अब बनासकांठा की वाघासण ग्राम पंचायत में गांव के सभी व्यापारियों को मुस्लिम समाज के फेरिया और व्यापारियों का आर्थिक बहिष्कार करने के लिए नोटिस जारी किया है। इसके साथ ही यदि कोई व्यापारी मुस्लिम समाज के फेरिया या व्यापारी से कोई वस्तु की खरीदी करेगा तो इसके ५१०० रुपये का जुर्माना वसूलकर यह रकम गौशाला में देने का प्रावधान किया गया है। वाघासण ग्रुप ग्राम पंचायत के लेटरपेड पर गांव के सरपंच मफीबहन वीराभाई पटेल के हस्ताक्षरवाली यह नोटिस पर अन्य ७ लोगों के हस्ताक्षर भी देखने को मिला है। इसके साथ ही नोटिस में नीचे यह उल्लेख किया गया है कि उदयपुर में दर्जी की हत्या हुई इसे ध्यान में रखकर यह निर्णय लिया गया है। भाजपा की पूर्व प्रवक्ता ने एक टीवी डिबेट के दौरान पयगंबर मामले में विवादास्पद टिप्पणी की इसके बाद पूरे विश्व में इसकी कड़ी प्रतिक्रिया हुई और स्थिति को संभालने के लिए भाजपा को उनको निकाल देना पड़ा। हालांकि यह मामले का विवाद लगातार चालू ही है और नूपूर शर्मा के समर्थन में पोस्ट करने वाले एक दर्जी की उदयपुर में दिन में ही २ लोगों ने हत्या कर दी थी। हाल में ही सुप्रीम कोर्ट ने भाजपा में से निकाल दी गई प्रवक्ता नूपुर शर्मा की कड़ी आलोचना की थी और उनको देश की वर्तमान स्थिति के लिए जिम्मेदार बताया था।

अगले पांच दिनों तक भाशी से बहुत भाशी बाशिश का अनुमान

अहमदाबाद, २ जुलाई।

गुजशत में चक्रवाती हवाओं के क्षेत्र के बाद मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक भाशी से बहुत भाशी बाशिश की संभावना जताई है। दक्षिण गुजशत में डांग, तापी औश वलसाड में भाशी वर्षा हो सकती है जबकि सूश्त औश नवसाशी में भाशी वर्षा हो सकती है। इसके अलावा, उत्तशी गुजशत के साबश्कांठा औश बनासकांठा में भाशी बाशिश की संभावना है। पोश्बंदश, अमश्ेली, जूनागढ़, द्वाश्का औश गिश सोमनाथ में भी भाशी बाशिश की संभावना है। शहश के कई हिस्सों में सुबह से दोपहश तक बादल छाए श्हने से अहमदाबाद औश गांधीनगश के निवासियों को आंधी औश असहनीय गर्मी के बीच शहत मिली है. मौसम विभाग के पूर्वानुमान के बाद अहमदाबाद औश गांधीनगश में भी आने वाले दिनों में बाशिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के बाद जूनागढ़ जिले में शनिवाश तड़के से मेघशजा बश्से औश अब भी जमकश बाशिश हो श्ही है, मनावदाश में तीन घंटे में ३ इंच, वनथाली में ३ इंच औश जूनागढ़ शहश-पंथ में २ इंच बाशिश हुई है। सौशाष्ट्र में लगभग हश जगह बाशिश का मौसम चल श्हा है। बश्सात के मौसम से जो पहाड़ गिश्ता है वह सोल्ह कलाओं से घिश है। बाशिश के बाद सीढ़ियों पश पानी बह श्हा है। गिश्नाश की प्राकृतिक सुंदश्ता को देखने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक भी उमड़ श्हे हैं। आणंद जिले के बोश्साड पंथ में एक शत में १२ इंच बाशिश हुई, मानो बादल छंट गए हों। जिसमें दो युवकों, चाश भैंसों, ३ गधों औश पांच बकश्यिों की मौत हो गई है. आंकड़ों पश नजश डालें तो अंकलव में ३ मिमी, पेटलाड औश ताशापुश में ४ मिमी, सोजित्रा में ४ मिमी जबकि आनंद, उमश्ेठ औश खंभात में क्रमशः २, २१ औश २ मिमी बाशिश हुई। मिली जानकाशी के अनुसाश मेघशजा की एंट्री वडोदश समेत मध्य गुजशात के ज्यादातश हिस्सों औश दक्षिण गुजशात के भश्ूच-नर्मदा के कुछ इलाकों में हुई. शुक्रवाश को भी अधिकांश इलाकों में बाशिश होती श्ही। जिसमें आधा से पांच इंच बाशिश श्िकॉर्ड की गई। वडोदश जिले के अलावा दक्षिण गुजशात के छोटाउदपुश, पंचमहल, दाहोद, नर्मदा औश भश्ूच में बाशिश हुई। जिसमें वडोदश में कई जगह पेड़ उखड़ गए।

5 ईंच बारिश में गुजरात के सबसे लंबे एलिवेटेड पर ब्रिज पर भरा पानी, एक तरफ का रास्ता बंद

बनासकांठा (ईएमएस)'गुजरात के ज्यादातर जिलों में मॉनसून पहुंच चुका हैं'दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र के बाद मध्य गुजरात व उत्तरी गुजरात में अच्छी बारिश हो रही हैं'उत्तरी गुजरात के बनासकांठा में पांच ईंच बारिश होने से राज्य के सबसे बड़े एलिवेटेड ब्रिज जलमग्न हो गया हैं'ब्रिज पर करीब एक फूट पानी भर जाने से एक तरफ का रास्ता बंद कर दिया गया हैं'ब्रिज पर पानी की निकासी के लिए कोई उचित व्यवस्था नहीं किए जाने की वजह से ब्रिज पर पानी भर गया हैं'ब्रिज पर पानी भर जाने को लेकर इसे बनानेवाले की गंभीर लापरवाही और प्रशासन पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं'अगस्त 2021 में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस ब्रिज का वर्च्युअल लोकार्पण किया थ'गुजरात के इस सबसे लंबे एलिवेटेड ब्रिज पर रु. 194.25 करोड़ खर्च किए गए थे'बनासकांठा जिले के पालनपुर और डीसा के बीच बने इस ब्रिज से लोगों को बड़ी राहत मिली थी'लेकिन अब पांच ईंच बारिश होने से ब्रिज पर एक फूट पानी भर जाने से एक ओर का रास्ता बंद कर दिया गया हैं'दूसरी ओर भारी बारिश के चलते डीसा के निचले इलाकों में जलजमाव हो गया हैं'शहर के आखोल चौराहे के निकट करीब 50 जितनी दुकानों में पानी भर गया हैं'करीब 4 से 5 फूट पानी भर जाने से दुकानदारों की मुश्किलें बढ़ गई हैं'शहर के व्होला क्षेत्र में दो मकान ढहने की खबर हैं'

आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रेल सुरक्षा बल अहमदाबाद मंडल द्वारा मोटर साइकिल रैली की शुरुआत

अहमदाबाद (ईएमएस)'आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रेल सुरक्षा बल अहमदाबाद मंडल द्वारा वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त श्री एस एस अहमद के नेतृत्व में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। इस दौरान रेलवे सुरक्षा बल द्वारा जल सेवा, वृक्षारोपण, रन फॉर यूनिटी, स्वच्छता अभियान, जागरूकता अभियान आदि कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 01 जुलाई 2022 को अहमदाबाद (कालुपुर) रेलवे स्टेशन से वटवा स्टेशन तक मोटर साइकिल रैली की शुरुआत की गई। मोटर साइकिल रैली को मंडल रेल प्रबंधक तरुण जैन द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह मोटर साइकिल रैली दिनांक 01.07.2022 शुरू होकर मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर पहुंचेगी तथा दूरदराज के इलाकों में रेलवे एवं रेलवे सुरक्षा बल की क्रियाकलापों एवं उपलब्धियों के संबंध में लोगों को अवगत कराएगी। आरपीएफ मोटरसाइकिल रैलियों को आज़ादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में देश भर के 75 स्थानों से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से गुजरने के बाद स्वतंत्रता दिवस से पहले रैलियों का समापन नई दिल्ली में होगा। इस दौरान अपर मंडल रेल प्रबंधक अनंत कुमार, अपर मंडल रेल प्रबंधक परिमल शिंदे एवं सभी शाखा अधिकारी उपस्थित रहे।

पश्चिम रेलवे द्वारा सात जोड़ी समर स्पेशल ट्रेनों के फेरे विस्तारित

यात्रियों की सुविधा के लिए और उनकी मांग को पूरा करने के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा मौजूदा संरचना, समय, ठहराव और मार्ग पर विशेष किराए पर 7 जोड़ी समर स्पेशल ट्रेनों के फेरों को विस्तारित किया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री सुमित ठाकुर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:

ट्रेन संख्या 09005 बांद्रा टर्मिनस-इज्जतनगर द्वि-साप्ताहिक स्पेशल जिसे 26 जून, 2022 तक अधिसूचित किया गया था, उसे अब 3 से 15 जुलाई, 2022 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 09006 इज्जतनगर-बांद्रा टर्मिनस द्वि-साप्ताहिक विशेष जिसे 27 जून, 2022 तक अधिसूचित किया गया था, उसे अब 4 से 16 जुलाई, 2022 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 09075 मुंबई सेंट्रल-काठगोदाम साप्ताहिक विशेष जिसे 29 जून, 2022 तक अधिसूचित किया गया था, उसे अब 6 से 13 जुलाई, 2022 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 09076 काठगोदाम-मुंबई सेंट्रल साप्ताहिक स्पेशल जिसे 30 जून, 2022 तक अधिसूचित किया गया था, उसे अब 7 से 14 जुलाई, 2022 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 09097 बांद्रा टर्मिनस-जम्मू तवी साप्ताहिक स्पेशल जिसे 26 जून, 2022 तक अधिसूचित किया गया था, उसे अब 3 से 10 जुलाई, 2022 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 09098 जम्मू तवी-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक स्पेशल जिसे 28 जून, 2022 तक अधिसूचित किया गया था, उसे अब 5 से 12 जुलाई, 2022 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 09183 मुंबई सेंट्रल-बनारस साप्ताहिक विशेष जिसे 29 जून, 2022 तक अधिसूचित किया गया था, उसे अब 6 से 13 जुलाई, 2022 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 09184 बनारस-मुंबई सेंट्रल साप्ताहिक स्पेशल जिसे 1 जुलाई, 2022 तक अधिसूचित किया गया था, उसे अब 8 से 15 जुलाई, 2022 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन नंबर 09301 डॉ. अम्बेडकर नगर-नई दिल्ली साप्ताहिक विशेष, जिसे 24 जून, 2022 तक अधिसूचित किया गया था, उसे अब 8 से 15 जुलाई, 2022 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 09302 नई दिल्ली-डॉ. अम्बेडकर नगर साप्ताहिक स्पेशल जिसे 25 जून, 2022 तक अधिसूचित किया गया था, उसे अब 9 से 16 जुलाई, 2022 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 09417 अहमदाबाद-पटना साप्ताहिक विशेष जिसे 27 जून, 2022 तक अधिसूचित किया गया था, को 4 से 11 जुलाई, 2022 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 09418 पटना-अहमदाबाद साप्ताहिक विशेष जिसे 28 जून, 2022 तक अधिसूचित किया गया था, उसे अब 5 से 12 जुलाई, 2022 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 09523 ओखा-दिल्ली सराय रोहिल्ला साप्ताहिक स्पेशल जिसे 28 जून, 2022 तक अधिसूचित किया गया था, उसे अब 5 से 12 जुलाई, 2022 तक चलाने के लिए बढ़ा दिया गया है।

ट्रेन संख्या 09524 दिल्ली सराय रोहिल्ला-ओखा साप्ताहिक स्पेशल जिसे 29 जून, 2022 तक अधिसूचित किया गया था, उसे अब 6 से 13 जुलाई, 2022 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 09005, 09075, 09097, 09183, 09301, 09417 एवं 09523 के विस्तारित फेरों की बुकिंग यात्री आरक्षण केन्द्रों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू है। ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए ट ा ा ३ ा ा ॅ www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने आणंद ज़िले में भारी वर्षा से उत्पन्न स्थिति का सम्पूर्ण विवरण प्राप्त किया

अहमदाबाद (ईएमएस)'मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने मध्य गुजरात में आणंद ज़िले की बोरसद तहसील में पिछले 24 घण्टों में हुई लगभग 12 इंच भारी वर्षा से उत्पन्न स्थिति को लेकर आणंद ज़िला कलेक्टर एम. वाय. दक्षिणी के साथ शनिवार सुबह टेलीफोनिक बातचतीत की और स्थिति का सम्पूर्ण विवरण प्राप्त किया। पटेल ने आणंद ज़िला प्रशासन द्वारा विशेष रूप से अति भारी वर्षा प्रभावित सिसवा गाँव की स्थिति, निचले क्षेत्रों के ग्रामीणजनों का सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरण, उनके जान-माल और पशुओं की सुरक्षा के बारे में भी विवरण प्राप्त किया। आणंद ज़िला कलेक्टर दक्षिणी ने मुख्यमंत्री को बताया कि बोरसद में मूसलाधार वर्षा के बाद जिन गाँवों में विद्युत आपूर्ति प्रभावित हुई है, वहाँ विद्युत आपूर्ति पुनः बहाल करने तथा सड़कों-मार्गों पर गिरे पेड़ों को हटाने की कार्यवाही की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कलेक्टर से यह जानकारी भी हासिल की कि आणंद ज़िले में बोरसद तथा आसपास के गाँवों में वर्षा के कारण जल भराव की स्थिति में घरों में फँसे लोगों की सहायता के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन बल (ऊँइ) की क टुकड़ी वडोदरा से आई है और राहत-बचाव कार्यों में जुटी है। उन्होंने भारी वर्षा से बोरसद तहसील में 1 मानव मृत्यु तथा 90 पशु मृत्यु की जानकारी कलेक्टर से प्राप्त की और इस संदर्भ में प्रभावितों को नियमानुसार मृत्यु सहायता का त्वरित भुगतान करने का उन्हें निर्देश भी दिया। उन्होंने बरसाती जल निकासी की व्यवस्थाओं के साथ-साथ बीमारियाँ फैलने से रोकने के लिए स्वास्थ्य प्रशासन को भी दवाई छिड़काव सहित स्वास्थ्य सुरक्षा संबंधी कार्य करने हेतु तैनात रहने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कच्चे-पक्के झोंपड़ों, मकानों को हानि तथा अधिक हानि के मामलों में प्राथमिक सर्वेक्षण तत्काल शुरू करने और कैशडोल्स भुगतान आदि के लिए भी आवश्यक मार्गदर्शन दिया। उन्होंने ज़िला कलेक्टर को यह भी सुझाव दिया कि जो ग्रामीणजन अपने घर का सामान अन्य सुरक्षित स्थान पर ले जाना चाहते हैं, उनके लिए ज़िला प्रशासन की ओर से श्रमिकों तथा वाहनों आदि का प्रबंध किया जाए। उन्होंने सुरक्षित स्थानों पर भेजे गए विस्थापितों के लिए की गई भोजन आदि की व्यवस्था का भी जायज़ा प्राप्त किया। मुख्यमंत्री ने ज़िले में आवश्यकता पड़े, तो राज्य सरकार के स्टेट इमर्जेंसी ऑपरेशन सेंटर द्वारा और ऊँइ-एऊँइ टीमें भेजने सहित सभी प्रकार की सहायता के लिए भी ज़िला कलेक्टर से परामर्श किया। मौसम विभाग ने आगामी दिवसों में और अधिक भारी वर्षा होने की चेतावनी दी है। मुख्यमंत्री ने टेलीफोनिक बातचीत में इस चेतावनी के संदर्भ में भी ज़िला प्रशासन को और अधिक सतर्क एवं सज्ज रहने का निर्देश दिया'

डिजिटल उद्यमिता के जरिए भारत में आदिवासी समुदायों का उत्थान

नई दिल्ली, 28 जून 2022 :भारत में आदिवासी और स्वदेशी समुदायों के प्रतिनिधित्व में विभिन्न प्रतिभाओं और समृद्ध संस्कृति से प्रेरित होकर हम जनजातीय मामलों के मंत्रालय के साथ अपनी साझेदारी को बढ़ाकर गोइंग ऑनलाइन एज़लीडर्स (जीओएएल) प्रोग्राम के दूसरे चरण को लॉन्च करेंगे। जीओएएल (गोल2.0) देश के जनजातीय समुदाय से जुड़े 10 लाख युवाओं और महिलाओं को डिजिटल रूप से कौशल से लैस करेगा। यह प्रोग